BHUTESHWAR

E-Magazine (Annual)

Government College
Jind
(Haryana)

Session 2024-25

Phone : 01681-249580
Website : govtcollegejind.ac.in
E-Mail : gc_jind@yahoo.co.in

Zonal Youth Festival
(Safidon Zone) 29th & 30th Nov 2024
Dr. Shamsher
Patron & Vice - Principal
Govt. College, Jind
Sh. Satyawan Malik
Chief Patron & Principal
Govt. College, Jind
विकसित भारत
युवा

From Principal's Desk

Welcome to the edition of our college's e-magazine. The goal of this e-magazine is to inform, engage, and inspire a diverse readership - including alumni, faculty, staff, students.

We are all well acquainted with the fact that NEP-2020 has been implemented and all programs have been designed as per NEP-2020 to cater to the needs of students vis-a-vis skill development and job opportunities in a fast changing world. All stakeholders would work to achieve the goals in NEP-2020.

I would like to start by saying that hard-work is the key to success in life. Our students are encouraged to take up job-oriented, technical courses that ensure self employment, and are furthermore advised to work really hard towards their educational goals.

Students should have before them the idea of simple living and high thinking. Discipline also plays a vital role in the basis of life, so all efforts should be made to lead a disciplined life, choosing good habits over bad.

Talking of habits they play a major role in structuring our personality. Bad habits like smoking, drinking, and doing drugs cast spell on a person's physique and mind. A good habit, on the other hand, makes us physically and mentally sound and brings a purpose to life.

With the elections coming up, I would like to state the importance of voting. For many of you, this will be first time you can vote. It is your constitutional right, and all attempts should be made to fulfil it. Voting offers us a medium of expression. The process of voting allows every citizen to have a say in what should constitute the matters of importance by voting for the candidate he or she deems fit for the purpose. At the same time, voting is as much a responsibility as it is a right. If we are not careful about casting our vote-or worse, skip their vote altogether-it will jeopardize the existence of our democratic republic.

All efforts should be made to use modern technology in our day-to-day lives. Modern technology offers us an easy access to information, it encourages innovation and creativity, improves communication, and increases efficiency and productivity. Modern technology has made it simple for students to learn from anywhere through online courses. Through the help of multi-media digital learning, modern technology helps us to integrate digital education with conventional education. Students now use modern technology in our own college classrooms to learn more effectively.

Students should also be environmentally conscious. Going Green is a world-wide initiative that helps our planet. Things like using recycled paper, printing on both sides of the paper, and using digital platform to share information instead of printing will go a long way to ensure that fewer trees are cut and our planet is safe.

On that note, this e-magazine is our first attempt in the direction of saving trees. It's a small bit that I hope you will like. Wishing you a happy and prosperous life ahead.

Satyawan Malik
Principal, Govt. College, Jind

सम्पादकीय

भारतीय लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका

शिव कुमार (सहायक प्रोफेसर जनसंचार)

मीडिया नागरिकों को न केवल सूचित बल्कि सचेत भी करता है, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था तीनों अंगों के एक दूसरे के साथ तालमेल बिठा कर काम करने और एक दूसरे के अधिकार क्षेत्र में दखल न देने के बुनियादी सिद्धांत के आधार पर चलती है और मीडिया का काम इस पर आलोचनात्मक निगाह रखना और देश को सतर्क करते रहना है। जाहिर है कि आलोचनात्मक मीडिया अक्सर सरकार यानि कार्यपालिका और संसद एवं विधानसभाओं को नहीं सुहाती और कभी अभी न्यायपालिका भी उसके कामकाज पर प्रतिबंध लगाने को तत्पर हो जाती है। अक्सर सरकारें और उनके मंत्री एवं समर्थक यह कहते सुने जाते हैं कि मीडिया सकारात्मक खबरें और लेख नहीं प्रसारित करता। मीडिया पर प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से लगाम कसना, लगभग सभी सरकारों का प्रयास रहता है। ऐसे में यदि लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंग न्यायपालिका उसके और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए सामने आता है तो यह लोकतंत्र के भविष्य के लिए बेहद आश्वस्त करने वाला है।

पिछले 15 वर्षों में मीडिया के स्वरूप में बहुत तेज बदलाव देखने को मिला है। सूचना क्रांति एवं तकनीकी विस्तार के चलते मीडिया की पहुंच व्यापक हुई है। इसके समानांतर भूमंडलीकरण, उदारीकरण एवं बाजारीकरण की प्रक्रिया भी तेज हुई है, जिससे मीडिया अछूता नहीं है। नए-नए चैनल खुल रहे हैं, नए-नए अखबार एवं पत्रिकाएं निकाली जा रही हैं और उनके स्थानीय एवं भाषायी संस्करणों में भी विस्तार हो रहा है। मीडिया के इस विस्तार के साथ चिंतनीय पहलू यह जुड़ गया है कि यह सामाजिक सरोकारों से दूर होता जा रहा है। मीडिया के इस बदले रूख से उन पत्रकारों की चिंता बढ़ती जा रही है, जो यह मानते हैं कि मीडिया के मूल में सामाजिक सरोकार होना चाहिए।

भारत में मीडिया की भूमिका, विकास एवं सामजिक मुद्दों से अलग हटकर हो ही नहीं सकती पर यहां मीडिया इसके विपरित भूमिका में आ चुका है। मीडिया की प्राथमिकताओं में अब शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी विस्थापन जैसे मुद्दे रह ही नहीं गए हैं। उत्पादक, उत्पाद और उपभोक्ता के इस दौर में खबरों को भी उत्पाद बना दिया है, यानि जो बिक सकेगा, वही खबर है। दुर्भाग्य की बात यह है कि बिकाऊ खबरें भी इतनी सड़ी हुई हैं कि उसका वास्तविक खरीददार कोई है भी या नहीं, पता करने की कोशिश नहीं की जा रही है। बिना किसी विकल्प के उन तथाकथित बिकाऊ खबरों को खरीदने, देखने, सुनने, पढ़ने के लिए लक्ष्य समूह को मजबूत किया जा रहा है। खबरों के उत्पादकों के पास इस बात का भी तर्क है कि यदि उनकी 'बिकाऊ' खबरों में दम नहीं होता तो चैनलों की टी.आर.पी. एवं अखबारों की रीडरशिप कैसे बढ़ती ?

इस बात में कोई दम नहीं है कि मीडिया का यह बदला हुआ स्वरूप ही लोगों को स्वीकार है, क्योंकि विकल्पों को खत्म करके पाठकों, दर्शकों एवं श्रोताओं को ऐसी खबरों को पढ़ने, देखने एवं सुनने के लिए बाध्य किया जा रहा है। उन्हें मुद्दों से दूर किया जा रहा है।

भूतेश्वर वार्षिक पत्रिका

2024-25

सरंक्षक : श्री सत्यवान मलिक

मुख्य सम्पादक : श्री शिव कुमार

सम्पादक मण्डल

अनुभाग	प्राध्यापक सम्पादक
अंग्रेजी	डॉ. ज्योति श्योराण
हिन्दी	श्रीमती शीला दहिया
विज्ञान	श्री कमलजीत
भूगोल	श्री विक्रम सिंह
महिला प्रकोष्ठ	डॉ. प्रेम पूनम
वाणिज्य विभाग	श्री लाभ सिंह
एन.सी.सी.	श्री पंकज बतरा
एन.एस.एस.	श्री अमन
जनसंचार	श्री शिव कुमार
सांस्कृतिक गतिविधियाँ	डॉ. सन्दीप कुमार
खेलकूद गतिविधियाँ	श्री रणधीर सिंह
वार्षिक रिपोर्ट, न्यूज कवरेज	श्री राहुल

फार्म-IV

भूतेश्वर पत्रिका

प्रकाशन स्थल	-	जीन्द
प्रकाशन अवधि	-	वार्षिक
डिजाईन	-	शुभम् कम्प्यूटर प्वाईट, विद्यापीठ मार्ग, जीन्द # 98133-86722
प्रकाशक एवं स्वामित्व अधिकारी	-	श्री सत्यवान मलिक
सम्पादक	-	श्री शिव कुमार
राष्ट्रीयता	-	भारतीय
पता	-	राजकीय महाविद्यालय, जीन्द

मैं सत्यवान मलिक यह घोषित करता हूँ कि उपर्युक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुरूप सत्य है।

सत्यवान मलिक

इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखक के स्वयं के हैं, सम्पादक मण्डल इसके लिये उत्तरदायी नहीं है।

Contents

S. No.	SECTION	Page No.
1	Introduction to the College	7
2	Internal Quality Assurance Cell	7
3	Central Library	9
4	Examination Branch	11
5	Scholarship for SC/ BC students	11
6	General Merit Scholarship	13
7	Guidance Bureau & Placement Cell	13
8	Women Cell	15
9	Eco - Club	17
10	National Cadet Corps	18
11	Young Geographer Club, Geography Dept.	22
12	Red Ribbon Club	23
13	English Department	24
14	Commerce Department	24
15	Math Department	25
16	Computer Science Department	25
17	Physics Department	26
18	Chemistry Department	27
19	Botany Dept. & Biotechnology Department	28
20	Psychology Department	28
21	Mass Communication Department	29
22	Zoology Department	30
23	Public Administration Department	31
24	History Department	31
25	Philosophy Department	32
26	Entrepreneurship Development Club	32
27	UGC Cell	33

महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय

शिक्षा किसी राष्ट्र की रीढ़ होती है। शिक्षा मनुष्य को देवत्व की ओर ले जाती है। मनुष्य के भीतर विकास की जो संभावनाएँ रहती हैं, उन्हें विकसित करना ही शिक्षा का मुख्य कार्य है। इसी सोच के परिणामस्वरूप जींद क्षेत्र के समाजसेवी लोगों की सच्ची निष्ठा और अथक प्रयासों से यह महाविद्यालय सन् **1960** में पब्लिक कॉलेज के रूप में अस्तित्व में आया और **50** वर्ष पूरे करने के बाद स्वर्ण जयंती मना चुका है। आज यह महाविद्यालय हरियाणा के एक उच्चतम शिक्षा संस्थान के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त कर चुका है।

इस महाविद्यालय में भव्य भवन, विशाल पुस्तकालय, आधुनिक प्रयोगशालाएँ आदि सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इस भवन में मानविकी, विज्ञान, कॉमर्स और पुस्तकालय आदि चार ब्लॉक हैं। उच्च शिक्षा स्तर, श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम, विद्यार्थियों के चहुँमुखी विकास के लिए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ, खेल-कूद और जीवन के अंतर्लोक को आलोकित करने वाली शिक्षा के कारण महाविद्यालय की गणना विशिष्ट महाविद्यालयों में हो रही है।

प्रत्येक संकाय के अनेक मेधावी विद्यार्थी अपनी योग्यता द्वारा विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक सेवाओं के लिए चुने जाते हैं। इस गरिमामयी संस्थान में छात्र प्रवेश पाने के लिए उत्सुक रहते हैं। प्राचार्य के कुशल नेतृत्व एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों से महाविद्यालय में शिक्षा का समुचित वातावरण उपलब्ध है। विद्यार्थियों के हित में शैक्षणिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए यह निरंतर प्रयासरत है।

Internal Quality Assurance Cell

The Internal Quality Assurance Cell (IQAC) of the institution has been actively engaged in enhancing the academic and administrative performance during the session 2024-25. The activities conducted aimed at improving the quality of education and ensuring continuous development in various institutional domains- The following are the key activities organized by IQAC during the year:

- A Two-Day Orientation Seminar for Newly Admitted Students was conducted on 09th August 2024 for UG Arts Stream students and on 10th August 2024 for Science, Commerce, and PG students. The orientation program was designed to familiarize the newly admitted students with institutional systems, rules, and facilities. Topics covered included timetable structure and academic planning; introduction to co-curricular and extracurricular units like NSS, NCC, Mentorship Programme, Red Ribbon Club, and Earn While You Learn scheme; and information about scholarships and support programs. The sessions were also attended by respective club coordinators and faculty mentors who briefed students about upcoming initiatives and platforms for involvement. The two-day orientation program was a resounding success, providing the students with a comprehensive introduction to the college's academic and extracurricular framework. The sessions were informative, engaging, and set a strong foundation for the students' journey ahead. The participation of various club and committee in-charges ensured that the students were well-informed about the opportunities and support systems available to them throughout their academic career.

- On 18th January 2025, a Workshop on Using the IUMS Portal was organised by the Registrar Office in collaboration with IQAC under the chairmanship of worthy Principal Sh. Satyawan Malik. The workshop was conducted on the topic "How to use IT Tools for Administrative Activities". The objective of the workshop was to aware the Teaching and Non-Teaching staff about how to use IT Tools for Administrative Activities. Dr. Vishal Redhu, the Registrar, instructed the Teaching and Non-Teaching staff about IT Tools and its usage. Total 109 members attended the workshop and took valuable inputs about the said portal. The session was highly practical and aligned with the institution's digital enablement goals. The workshop ended with vote of thanks by IQAC Coordinator Dr. Satish Malik.

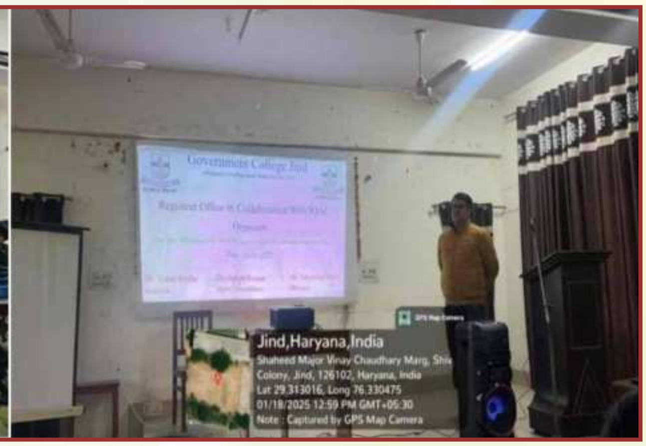

Central Library

- पुस्तकालय एक शिक्षण संसाधन के रूप में : पुस्तकालय उपयोगकर्ता की सीखने की जरूरतों के लिए संसाधन और सेवाएँ प्रदान करता है। पुस्तकालय के खुलने के समय के दौरान उपयोगकर्ता पुस्तकों, पत्रिकाओं और दृश्य-श्रव्य सामग्री, अभिविन्यास और सूचना साक्षरता प्रशिक्षण तक पहुंच सकते हैं। सीखने के कौशल ट्यूटर कक्षा के आधार पर एक व्यक्तिगत, छोटे समूह को अध्ययन कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला सिखाते हैं। पुस्तकालय उन संसाधनों में से एक है जो शैक्षिक गुणवत्ता को समर्थन और मजबूत करने के लिए आवश्यक है। सदियों से, पुस्तकालय पुस्तकों, पत्रिकाओं, मानचित्रों और अन्य संसाधनों के माध्यम से जानकारी रखने और प्रसारित करने का स्त्रोत रहे हैं, जिनका उपयोग छात्रों द्वारा उनकी सीखने की प्रक्रिया में किया जाता है।

- एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली (ILMS) का उपयोग : पुस्तकालय को स्वचालित करने के लिए एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली (ILMS) का उपयोग किया जाता है - SOUL 3-0 कॉलेज लाइब्रेरी के लिए सॉफ्टवेयर (SOUL) एक अत्याधुनिक एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर है, जिसे कॉलेज और विश्वविद्यालय पुस्तकालयों की आवश्यकताओं के आधार पर INFLIBNET केंद्र द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। यह क्लाइंट-सर्वर वातावरण के तहत काम करने के लिए विकसित एक उपयोगकर्ता के अनुकूल सॉफ्टवेयर है। किताबें SOUL 3-0 के माध्यम से प्रवेश की गई हैं, लेकिन लाइब्रेरी स्टॉफ की कमी के कारण इश्यू-रिटर्न शुरू नहीं किया गया है। इस पर आगामी शैक्षणिक सत्र के दौरान प्राथमिकता के आधार पर विचार किया जाएगा।

- ई-संसाधनों की सदस्यता : संस्थान के पास निम्नलिखित ई-स्त्रोत, ई-जर्नल्स और ई-बुक्स-एन-लिस्ट (N-LIST) की सदस्यता है। ''विद्वान सामग्री के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा अवसंरचना (एन-लिस्ट)'' परियोजना को संयुक्त रूप से ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम, INFLIBNET सेंटर, और INDEST-AICTE कंसोर्टियम द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। यह परियोजना निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति करती है :-

  i) दो कंसोर्टिया द्वारा सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों के लिए क्रॉस-सदस्यता, यानी विश्वविद्यालयों के लिए INDEST-AICTE संसाधनों की सदस्यता और तकनीकी संस्थानों के लिए ई-शोध सिंधु संसाधन;

  ii) कॉलेजों तक चयनित ई-संसाधनों तक पहुंच।

  एन-लिस्ट परियोजना INFLIBNET केंद्र में स्थापित सर्वर के माध्यम से कॉलेज और अन्य लाभार्थी संस्थानों के छात्रों, शोधकर्ताओं और संकाय को ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान करती है।

- पुस्तकालय उपयोग विवरण (सत्र 2024-25) : प्रतिदिन पुस्तकालय का उपयोग करने वाले शिक्षण, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों की संख्या : 300

पुस्तकालय

पुस्तकालय

GPS Map Camera
Jind, Haryana, India
Canteen Park, Urban Estate, Jind, NH-71, Gohana Rd, Housing Board Colony, Shiv Colony, Jind, Haryana 126102, India
Lat 29.313604°
Long 76.329742°
12/08/24 11:56 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Jind, Haryana, India
1, Housing Board Colony, Urban Estate, Jind, Haryana 126102, India
Lat 29.313979°
Long 76.330041°
10/04/24 02:15 PM GMT +05:30
Google

Jind, Haryana, India
Google

GPS Map Camera
Jind, Haryana, India
887J+G8W, Housing Board Colony, Urban Estate, Jind, Haryana 126102, India
Lat 29.313905°
Long 76.330288°
23/12/23 10:20 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Jind, Haryana, India
1, Housing Board Colony, Urban Estate, Jind, Haryana 126102, India
Lat 29.313979°
Long 76.330041°
08/04/24 02:18 PM GMT +05:30
Google

Jind, Haryana, India

Examination Branch

The Examination Branch functions throughout the year in the college. The Branch prepared the **Continuation Returns of 1729 students** digitally on CRSUIUMS portal. It also submitted examination forms of **total 3276 (in odd semester)** students on CRSUIUMS portal. Subsequently, the Internal Assessment and Practical (both internal and external) marks were also submitted on the above-said portal, in the odd sem. The preparation of Results for ACR purpose was done by the branch. Apart from it, the branch has active role in distribution of Admit cards, DMCs and Degrees. It also communicates students' academic discrepancies to the University authorities. One Day workshop of Teaching and Non-teaching staff members was organised on 18-01-2025 on the topic "How to Use IT Tools in Administrative Activities".

Later, for the even semester examinations - May 2025, the **exam forms of 3263 students** were filled and submitted. There is vital role of the Branch in smooth conduction of external practical and semester - exams which includes providing multiple type of assistance to the exam officials.

The Branch has central role also in the proposed Annual Prize Distribution and Convocation for the academic session 2023-2024. Besides, the routine redressal of students' grievance is being carried out.

Scholarship for SC/BC Students

Scholarships are offered to deserving and needy students to encourage them to take up Higher Education. "Har-Chhatravratti" is a centralized portal developed by the Department of Higher Education that provides one stop solution for end-to-end scholarship process right from submission of application, verification and disbursal to end beneficiary.

There are many scholarship schemes offered by Director of Higher Education. Post Metric scholarship is one of them.

Year	**2024-25**
Name of Scheme	**Post Metric Scholarship for BC Students**
Total Students Applied for Scholarship	**322**
Amount Disbursed	**NIL**
Link of Portal	**harchhatravratti-highereduhry-ac-in**

General Merit Scholarship

Year	Name of Scheme	Number of Students Benefitted by Government Scheme and Amount	Link To Relevant Document
2024-2025	Central Sector Scheme for College and University Students Fresh	35 (Under Process)	NSP Portal
2024-2025	Central Sector Scheme for College and University Students Renewal	34 (Under Process)	NSP Portal
2024-2025	National Scholarship for Post Graduate Studies	9 (Under Process)	NSP Portal
2024-2025	State Merit Scholarship to UG/PG Students	66 (Under Process)	Harchhatravratti Portal
2024-2025	Haryana State Meritorious Incentive Scheme	72 (Under Process)	Harchhatravratti Portal

Guidance Bureau & Placement Cell

- The Cell organised extension lecture on Career opportunities for Life science students dated 26-09-2024. Dr. Madhu Bala, Assistant professor of zoology, Government College, Alewa (Jind) was welcomed as keynote speaker for delivering the lecture. 102 Life science students attended and benefited.

- Cell organised extension lecture on Career opportunities for Non-Medical/Physical Science students dated 14-11-2024. Shri Gurdeep, Assistant professor and Head, Department of chemistry, PIG Government College for Women, Jind acted as the key speaker. 101 Physical Science students participated the event and benefited.

- Five M.Sc. Mathematics Final year students of the college participated in the Placement drive held at Guru Jambheshwar University, Hisar dated 17-02-2025.
- 28 students participated at Divisional Campus Placement Camp organised by GGJ GC, Hisar dated 15-02-2025.
- Cell organised Campus Placement Camp in association with NIIT for the post of Assistant Manager at Axis Bank dated 22-03-2025. 29 students short listed for next round.

- The Placement Cell organized an extension lecture on "Career Counselling for Commerce Students" on 28th March 2025. 52 commerce students, who found the session highly informative and relevant to their career planning.
- The Cell organized an extension lecture on 9th April 2025 on the topic "Success in Civil Service Examination". The session witnessed active participation from 93 students.

Women Cell

सत्र 2024-25 में महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रेम पूनम के नेतृत्व में छात्राओं को सशक्त बनाने हेतु महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विविध गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्राओं को सामाजिक, सांस्कृतिक, मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाना रहा।

- दिनांक 1 जुलाई, 2024 को, महिला प्रकोष्ठ एवं विधिक साक्षरता प्रकोष्ठ के संयुक्त प्रयासों से तीन नए कानूनों पर एक विस्तार व्याख्यान एवं समूह चर्चा का आयोजन किया गया, जिससे छात्राओं को नवीन कानूनी संरचना और उनके अधिकारों की जानकारी प्राप्त हुई।
- दिनांक 8 अगस्त 2024 को, प्रकोष्ठ एवं इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा तीज का त्यौहार सांस्कृतिक उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया, जिससे छात्राओं में भारतीय पारंपरिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव बढ़ा।
- दिनांक 30 सितंबर, 2024 को, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को महिला स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारियाँ प्रदान की गई।
- दिनांक 23 अक्टूबर, 2024 को, महिला प्रकोष्ठ ने उद्यमिता क्लब के सहयोग से नेल आर्ट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य सौंदर्य एवं स्व-रोजगार आधारित रुझानों से छात्राओं को जोड़ना था।
- दिनांक 13 जनवरी, 2025 को, लोहड़ी का त्यौहार महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में सांस्कृतिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।
- दिनांक 17-18 जनवरी, 2025 को, कराटे कला विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला तथा 21 जनवरी, 2025 को योग एवं ध्यान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिससे छात्राओं में आत्मरक्षा कौशल, मानसिक एकाग्रता एवं संतुलन विकसित हुआ।
- दिनांक 13 फरवरी, 2025 को, महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 50 छात्राओं को एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण हेतु सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले में ले जाया गया, जिससे उन्हें सांस्कृतिक विविधता और उद्यमिता के प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुए।
- दिनांक 20 फरवरी, 2025 को, महिला प्रकोष्ठ एवं मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ''छात्राओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ और तनाव : इससे कैसे निपटें'' विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह सत्र छात्राओं की मानसिक भलाई और जागरूकता को केंद्र में रखकर आयोजित किया गया।
- दिनांक 5 मार्च से 7 मार्च, 2025 तक, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित महिला प्रकोष्ठ की विभिन्न गतिविधियों में राजकीय महाविद्यालय, जींद की छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की और विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

- दिनांक 3 मार्च से 9 मार्च, 2025 तक, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस साप्ताहिक रूप में मनाया गया, जिसमें प्रत्येक दिन विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिनांक 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं द्वारा उत्साहपूर्वक भागीदारी की गई।

इसके अतिरिक्त, महिला प्रकोष्ठ द्वारा छात्राओं के लिए इनडोर खेलों की भी व्यवस्था की गई है। पुस्तकालय में महिलाओं से संबंधित पुस्तकों का भी विशेष संकलन उपलब्ध है। प्रकोष्ठ वर्ष भर छात्राओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जागरूकता, परामर्श, सांस्कृतिक चेतना और नेतृत्व विकास के लिए सतत सक्रिय प्रयास करता रहा है।

Eco – Club

सत्र 2024-25 में इको क्लब ने पर्यावरण जागरूकता, स्वच्छता, वृक्षारोपण तथा सृजनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन गतिविधियों में छात्राओं एवं स्टॉफ की सक्रिय भागीदारी रही।

- **दिनांक 6 अगस्त से 7 अगस्त, 2024 तक,** इको क्लब एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में तीज उत्सव एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पारंपरिक उत्सव को सांस्कृतिक रंग प्रदान किया।
- **दिनांक 16 अगस्त, 2024 को,** राष्ट्रीय सेवा योजना एवं इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के सभी सदस्यों एवं छात्राओं ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।
- **दिनांक 17 से 18 सितंबर, 2024 तक,** महाविद्यालय में दो दिवसीय प्लास्टिक मुक्त अभियानका आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 छात्राओं एवं 10 स्टॉफ सदस्यों ने भाग लिया। इस अभियान के माध्यम से प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाई गई और वैकल्पिक उपायों को अपनाने का संदेश दिया गया।
- **दिनांक 29 फरवरी, 2025 को,** राजकीय महाविद्यालय, जींद के वनस्पति उद्यान में विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे गए, जिससे परिसर की हरियाली में वृद्धि के साथ-साथ विद्यार्थियों में प्रकृति संरक्षण की भावना का विकास हुआ।
- **दिनांक 30 फरवरी, 2025 को,** इको क्लब द्वारा प्रकृति फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने कैमरे के माध्यम से प्रकृति के विभिन्न रूपों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया।

National Cadet Corps

The NCC Unit of Govt. College, Jind is functioning under the 15 Haryana Battalion NCC, Jind which consists of the total enrolled strength of 107 Senior Division (SD-Boy) cadets and 106 Senior Wing (SW-Girl) cadets. The NCC Company of the college comes under the Ambala Group of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh & Chandigarh (PHHP-C) NCC Directorate. Brigadier AS Vaid as our Group Commander and Colonel Jagjyot Dhodi as the Commanding Officer, Lt. Pankaj Batra as the Associate NCC Officer (ANO) & Smt. Pushpa Dhanda as Care Taker of SW Unit. NCC in the college plays a credible role in shaping the character of students by instilling the values of patriotism, service, discipline and hard work. Training in NCC insists qualities like nationalism, patriotism, discipline, team spirit, leadership, self-confidence and promote overall personality development. NCC gives a tremendous opportunity to one and all betterment, irrespective of caste, creed, religion and economic status.

The NCC Unit of Govt. College, Jind is engaged in three types of activities :-

- Social Service & Community Development Activities (SSCD)
- Camp and Training Activities
- Celebration of Important National and International Days

Social Service & Community Development (SSCD)

The NCC cadets of the institution actively participated in several Social Service & Community Development Programs/activities during the academic year 2024-25 :-

- Plantation in College Campus : Ek Ped Maa Ke Nam (July, 2024)
- Har Ghar Tiranga Rally on International Youth Day (August, 2024)
- Cleanliness of Rani Talab under Punit Sagar Abhiyan (October, 2024)
- Cyclothon for Environment Protection Awareness (November, 2024)
- Donation to Bharat Vikas Parishad Free Rasoi working in Civil Hospital, Jind on occasion of Guru Nanak Dev Jayanti & NCC Day (December, 2024)
- Cleanliness of College Campus and Canteen Area (January, 2025)
- Distribution of Old Clothes by NCC Cadets to Needy People on Makar Sakranti (Jan., 2025)
- Cleanliness campaign in college campus (Girls Common Room Area & Canteen Area, February, 2025)
- NCC Unit Participation in Ammonia Gas Leakage Mock Drill by NDRF at VITA MILK PLANT, Jind (February, 2025)
- NCC Unit Participation in Road Safety Awareness Rally (April, 2025)
- NCC Unit Participation in Anti-Drug Awareness Rally organized in association with Yuva Vikas Samiti (April, 2025)

All these community outreach activities were performed in collaboration with District Administration Authorities, District Level organizations, Non-Govt. Organizations (NGOs) and General Public. The basic purpose behind these activities is to create awareness and inculcate sense of selfless service among the students.

राजकीय महाविद्यालय जींद ने मनाया एनसीसी दिवस

जगत क्रान्ति ⏭ जींद

एनसीसी दिवस के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय जींद की एनसीसी यूनिट ने प्रियदर्शिनी महिला कॉलेज और हिन्दू कन्या महाविद्यालय जींद की एनसीसी यूनिट के साथ मिलकर 15 एनसीसी हरियाणा बटालियन के निर्देशानुसार साइक्लोथॉन रैली का आयोजन किया। यह रैली जिला सामान्य नागरिक हस्पताल जींद से शुरू की गई और गोहाना रोड से पुलिस लाइन होते हुए एकलव्य स्टेडियम तक निकाली गयी। एनसीसी कैडेट्स को महिला कॉलेज के प्राचार्य जयनारायण गहलावत ने हरी झंडी दिखा रवाना किया।

एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट पंकज बतरा ने बताया कि इस साइकिल रैली के माध्यम से जींद जिले की जनता को पर्यावरण संरक्षण के लिये ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपने दैनिक कामो के लिये साइकिल का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया ताकि हम अपनी आगे आने वाली पीढ़ियो को स्वच्छ वायु और वातावरण प्रदान कर सके। हिन्दू कन्या महाविद्यालय की एनसीसी अधिकारी मैडम अंजू और प्रियदर्शिनी कॉलेज की एनसीसी अधिकारी प्रियंका ने भी इस रैली में साइकिल चलाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्वस्थ रहने के लिए योगा को अपनाने पर जोर दिया। एनसीसी अधिकारी मैडम पुष्पा ढाडा ने बताया कि एनसीसी दिवस हर वर्ष नवंबर के आखिरी सप्ताह में मनाया जाता है। कार्यक्रम में 100 से ज्यादा कैडेट्स ने भाग लिया।

निशु प्री एवरेस्ट पर्वतारोहण के लिए चयनित

जगत क्रान्ति ⏭ जीन्द

राजकीय महाविद्यालय जीन्द और 15 हरियाणा एनसीसी बटालियन की कैडेट निशु राष्ट्रीय स्तर के प्री एवरेस्ट पर्वतारोहण अभियान के लिये चयनित हुई। 15 हरियाणा बटालियन के कमांडिंग अधिकारी कर्नल जगज्योत ने बताया कि पूरे देश के 15 लाख से अधिक कैडेट्स में से केवल 34 एनसीसी कैडेट्स इस अभियान के लिये चुने गये है, जोकि महाविद्यालय के लिये बड़े गर्व की बात है। प्री एवरेस्ट अभियान के तहत कैडेट्स का ये दल 24130 फीट की ऊँचाई पर स्थित उतराखंड की माउंट अबी गामीन पर्वत श्रृंखला को फतेह करेगा। जिसके लिये पहले सभी कैडेट्स को 10 दिन का प्रशिक्षण नेहरू इंस्टिट्यूट ऑफ़ माउंटेनियरिंग उत्तरकाशी में दिया जायेगा। महाविद्यालय प्राचार्य सत्यवान मलिक, एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट पंकज बतरा, केयर टेकर पुष्पा और ने कैडेट निशु को और उसके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

Celebration of National and International Days

During the academic year 2024-25, the following days were celebrated by the NCC Unit of the college :-

- Krgil Vijay Deewas in Collaboration with Union Bank (26-07-2024)
- International Youth Day (12-08-2025)
- Independence Day (15-08-2024)
- NCC Day (26-11-2024)
- Thal Sena Deewas (15-01-2025)
- Lohri & Makkar Sakranti (13-01-2025 & 14-01-2025)
- Republic Day (26-01-2025)

NCC Camps & Training Activities

The National Cadet Corps (NCC) unit of Govt. College, Jind has always been an active part of the college, instilling discipline, leadership, and a sense of national pride among its cadets. During the academic year 2024-25, the cadets participated in various national and regional camps, showcasing their skills and enthusiasm in different activities :-

- ARMY ATTACHMENT CAMP (9 Cadets)
- EK BHARAT SHRESHT BHARAT CAMP (1 Cadet)
- OTA CAMP (1 Cadet)
- CONBINED ANNUAL TRAINING CAMP (ALL CADETS)
- THAL SENA CAMP (2 Cadets)
- Inter BN Cultural Competition (9 Cadets)
- National Integration Camp at Nagaland (2 Cadets)

Participation in these camps greatly enhanced the cadets' discipline, confidence, and leadership skills. Many cadets expressed their gratitude for the opportunity to learn and grow.

Achievements

- Overall Best Institution in CATC
- First Position on Independence Day Parade
- NCC Corporal Nishu conquered Mount Abi Gamin Mountain (at 24130 Ft. Height) in Uttarakhand with team of 33 NCC Cadets selected from all India.
- Corporal Tamanna attended EBSB-II at Odisha (September, 2024)
- SUO Aastha attended OTA, Chennai Camp in October, 2024
- 8 SD and 1 SW attended Army Attachment Camp in Oct. - Nov., 2024
- Cadet Anju and Nishu got First Position in Table Drill and Second in Singing
- Second Position on Republic Day Parade
- SUO Vinay Lathar Selected for RDC 2025 (PM Rally)

PRINCIPAL OFFICE
MAIN BUILDING
LIBRARY

Young Geographer Club

सत्र 2024–25 में राजकीय महाविद्यालय, जींद के भूगोल विभाग के युवा भूगोल क्लब द्वारा विद्यार्थियों में भौगोलिक दृष्टिकोण, वैज्ञानिक चेतना, नेतृत्व क्षमता एवं पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु विविध शैक्षणिक, सह-शैक्षणिक एवं शोधपरक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विवरण निम्नानुसार है :-

- दिनांक 23 अगस्त, 2024 को, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस महोत्सव के प्रचार-प्रसार हेतु महाविद्यालय प्रांगण में सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्र एवं छात्राओं द्वारा इस अभियान से जुड़ने की शपथ दिलाई गई।
- दिनांक 28 अगस्त, 2024 को, भूगोल युवा क्लब का चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया गया, जिसमें कुल 147 विद्यार्थियों ने अपने मतों का प्रयोग किया। निर्वाचित पदाधिकारी इस प्रकार रहे : प्रधान : राहुल, उपप्रधान : मोनिका, सचिव : कार्तिक, आयोजक सचिव : शीना, संयुक्त सचिव : जाह्नवी
- दिनांक 13 सितम्बर, 2024 को, विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर क्लब के तत्वावधान में एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्री विजेंद्र कुमार (सहायक प्राध्यापक, भूगोल विभाग, राजकीय महाविद्यालय, जुलाना) द्वारा ओजोन परत के क्षरण एवं जलवायु परिवर्तन पर विस्तारपूर्वक व्याख्यान दिया गया। इसमें 86 विद्यार्थी एवं सभी भूगोल प्राध्यापक उपस्थित रहे।
- दिनांक 24 अक्टूबर, 2024 को, जलवायु कार्रवाई के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अंतर्गत ''जलवायु परिवर्तन : मनुष्य के अनुकूल या प्रतिकूल'' विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। निर्णायक मंडल में श्री सतीश कुमार, श्री मंजीत कुमार एवं श्रीमती पूनम रानी ने भूमिका निभाई। विजेता इस प्रकार रहे : प्रथम स्थान : प्रियंका, द्वितीय स्थान : खुशी मोर, तृतीय स्थान : सुलेखा
- दिनांक 5 फरवरी, 2025 को, एक्सटेंशन लेक्चर में श्री नवीन (सहायक अभिलेखीय, नई दिल्ली) द्वारा **Historical & Geographical Perspective of Rakhigarhi Heritage Site** पर व्याख्यान दिया गया। कुल 55 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- दिनांक 11 फरवरी, 2025 को, इंट्रा कॉलेज विज्ञान प्रदर्शनी में क्लब की 5 टीमों ने भाग लिया। प्रथम स्थान : अमन व राहुल की टीम, द्वितीय स्थान : विधि व सुहानी की टीम, **Best Explanator** : अमन
- दिनांक 17 फरवरी, 2025 को, अंतर-कक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 17 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजेता इस प्रकार रहे : प्रथम स्थान : किरण शर्मा (बीए तृतीय वर्ष), द्वितीय स्थान : राहुल (बीए तृतीय वर्ष, भूगोल ऑनर्स), तृतीय स्थान : नवीन (बीए द्वितीय वर्ष)
- दिनांक 18 फरवरी, 2025 को, इंट्राजिला विज्ञान प्रदर्शनी में महाविद्यालय की टीम (अमन एवं राहुल) द्वितीय स्थान पर रही। **Best Explanator** का पुरस्कार भी अमन को प्राप्त हुआ।
- दिनांक 26 मार्च, 2025 को, एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। इसमें **Skyline Institute of Geo-Informatics** के श्री अजय देशवाल ने **"Use of Geo-informatics Technologies in Disaster Management"** विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया, जिसे 104 विद्यार्थियों ने सुना।
- भूगोल ऑनर्स छठे सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने निम्नलिखित फील्ड सर्वेक्षण किए :-
    - दिनांक 26 अप्रैल, 2025 को : ढाटरथ गाँव में उत्प्रवास पर 14 विद्यार्थियों द्वारा सर्वेक्षण
    - दिनांक 29 अप्रैल, 2025 को : राखीगढ़ी ऐतिहासिक स्थल का 19 विद्यार्थियों द्वारा सर्वेक्षण
    - दिनांक 31 अप्रैल से 5 मई, 2025 के बीच : नारा गाँव का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 9 विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

सत्र 2024-25 में राजकीय महाविद्यालय, जींद के भूगोल विभाग के विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्य एवं अंतर-राज्यीय भूगोल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा संस्थान को गौरवान्वित किया। भागीदारी एवं प्राप्त उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं :-

S.No.	Date	Institute	Student	Position
1	12/11/2024	K.V.D.A.V. College for Women, Karnal	Aman, Deepak, Naveen	1st
2	27/02/2025	Inter-College Geography Quiz at G.C.W., Tosham	Aman, Deepak, Suraj	2nd
3	27/03/2025	Inter-College Geography Quiz at G.C., Hansi	Aman, Naveen, Suraj	2nd
4	14/04/2025	Inter-State Geography Quiz at KSS-ISPER, Panchkula	Aman, Naveen, Suraj	4th

Red Ribbon Club

सत्र 2024–25 में राजकीय महाविद्यालय, जींद के रेड रिबन क्लब द्वारा एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता, स्वास्थ्य शिक्षा एवं युवाओं में उत्तरदायित्व बोध विकसित करने हेतु अनेक सार्थक गतिविधियाँ आयोजित की गई। इन गतिविधियों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। विवरण निम्नानुसार है :-

- दिनांक 20 सितंबर, 2024 को, रेड रिबन क्लब में महाविद्यालय के 100 विद्यार्थियों का नामांकन किया गया।
- दिनांक 24 अक्टूबर, 2024 को, क्लब द्वारा HIV/AIDS विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें ICTC काउंसलर श्री सत्येंद्र पाल (सिविल अस्पताल, जींद) ने **"HIV/AIDS : Symptoms, Causes, Treatment & Govt. Policy"** विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में 82 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- दिनांक 16 से 26 जनवरी, 2025 तक, राष्ट्रीय युवा दिवस पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत HIV/AIDS के प्रति जागरूकता हेतु राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन 1097 को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कॉलेज द्वारा सूचना पत्र, डिस्प्ले स्क्रीन, वेबसाइट, व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक पेज, इंस्टाग्राम लिंक एवं यूट्यूब लिंक जैसे माध्यमों से सन्देश साझा किया गया।
- दिनांक 17 जनवरी, 2025 को, अभियान के अंतर्गत HIV/AIDS पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें महाविद्यालय की 12 टीमों ने भाग लिया।
  - प्रथम स्थान : रिंकू और कोमल की टीम
  - द्वितीय स्थान : पूनम और नेहा की टीम
  - तृतीय स्थान : प्रिया और खुशबू की टीम
- दिनांक 21 जनवरी, 2025 को, Teach-Aid फिल्म दिखाई गई, जिसे 41 विद्यार्थियों एवं 10 शिक्षकों ने देखा। फिल्म प्रदर्शन के पश्चात हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी जागरूक भागीदारी दर्ज की।

- दिनांक 24 जनवरी, 2025 को, HIV/AIDS के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु रैली का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जन-संदेश फैलाया।
- दिनांक 19 मार्च, 2025 को, मैडम मुकेश कुमारी एवं श्री भगवान दास जी के नेतृत्व में रेड रिबन क्लब से संबंधित 6 विद्यार्थियों ने राजकीय महाविद्यालय, जींद में आयोजित ओरिएंटेशन कम ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाग लिया।

इन सभी गतिविधियों के माध्यम से रेड रिबन क्लब ने युवाओं में न केवल HIV/AIDS के प्रति जागरूकता फैलाई, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व, सामुदायिक भागीदारी एवं स्वास्थ्य-संवेदनशीलता जैसे मूल्यों का भी विकास किया।

English Department

On 28th February, 2025, the Department of English, in collaboration with the Literary Society, organized a Power Point Presentation (PPT) Competition for undergraduate students. The topics for presentation were based on themes selected from the History of English Literature. Students actively participated and showcased their understanding of literary periods, movements, and key authors through creative and well-researched presentations.

Commerce Department

सत्र 2024-25 के दौरान वाणिज्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत वाणिज्य सोसायटी द्वारा विद्यार्थियों के अकादमिक, व्यावसायिक तथा शोध कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं :-

- दिनांक 14 सितम्बर, 2024 को, वाणिज्य विभाग की 34 से अधिक छात्राओं ने हिंदू कन्या महाविद्यालय, जीन्द द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का विषय था - "आंकड़ों के विश्लेषण में अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग"। इस कार्यशाला के माध्यम से छात्राओं को व्यावसायिक शोध में प्रयुक्त विश्लेषणात्मक विधियों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई।
- दिनांक 16 अक्टूबर, 2024 को, वाणिज्य सोसायटी द्वारा "समय प्रबंधन" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस सत्र में डॉ. उपासना गर्ग, एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, हिंदू कन्या महाविद्यालय, जीन्द ने संसाधन व्यक्ति (Resource Person) के रूप में सहभागिता की। कार्यशाला में 88 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया और समय प्रबंधन से संबंधित व्यवहारिक दृष्टिकोणों को सीखा।

Math Department

गणित विभाग ने रसायन विभाग एवं भौतिक विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 13 सितम्बर, 2024 को एक एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया, जिसका विषय था ''NEP 2020 का भविष्य में योगदान''। इस गतिविधि में रिसोर्स पर्सन की भूमिका डॉ. मनोज मलिक द्वारा निभाई गई। व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों, संरचना एवं भविष्य में इसके संभावित प्रभावों से अवगत कराना था। इस शैक्षणिक कार्यक्रम में लगभग 110 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

Computer Science Department

राजकीय महाविद्यालय, जींद में कंप्यूटर साइंस विभाग की स्थापना सत्र 1988 में बी.एससी. नॉन-मेडिकल कार्यक्रम के अंतर्गत कंप्यूटर विषय के साथ की गई थी। इसके पश्चात सत्र 2008 में बी.सी.ए. एवं पी.जी.डी.सी.ए. पाठ्यक्रमों की शुरुआत की गई। वर्तमान में विभाग में कुल 10 प्राध्यापक कार्यरत हैं।

- दिनांक 12 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं कंप्यूटर साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए साइबर सिक्योरिटी विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का उद्देश्य छात्रों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने, साइबर अपराधों की पहचान करने, डेटा संरक्षण और ऑनलाइन सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना था।

- इसके अतिरिक्त, दिनांक 28 जनवरी, 2025 को कंप्यूटर साइंस विभाग के तत्वावधान में स्नातक विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में कंप्यूटर साक्षरता को बढ़ावा देना और तकनीकी ज्ञान को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से कुल 280 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

Physics Department

सत्र 2024-25 में भौतिकी विभाग ने गणित एवं रसायन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 13 सितम्बर, 2024 को एक एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया, जिसका विषय था ''NEP 2020 का भविष्य में योगदान''। इस गतिविधि में लगभग 110 विद्यार्थियों ने भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन की भूमिका डॉ. मनोज मलिक द्वारा निभाई गई। व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रमुख विशेषताओं, इसके प्रभावों एवं भावी शिक्षा प्रणाली में इसके योगदान से अवगत कराना था।

Chemistry Department

सत्र 2024-25 में रसायन विभाग द्वारा विद्यार्थियों एवं स्टॉफ को व्यावहारिक, औद्योगिक एवं नीतिगत ज्ञान से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

- **दिनांक 24 अगस्त, 2024 को,** रसायन विभाग द्वारा सभी टीचिंग, नॉन-टीचिंग स्टॉफ एवं विद्यार्थियों के लिए फायर एक्सटिंग्विशर की फंक्शनिंग पर एक प्रयोगशाला (प्रैक्टिकल सेशन) आयोजित किया गया। इस सत्र में रिसोर्स पर्सन की भूमिका **श्री संजीव जी** ने निभाई, जो फायर सेफ्टी डिपार्टमेंट से संबंधित हैं। प्रतिभागियों को अग्निशमन उपकरणों के प्रकार, कार्यप्रणाली एवं आपात स्थिति में उनके सही उपयोग की जानकारी प्रदान की गई।

- **दिनांक 7 सितम्बर, 2024 को,** रसायन विभाग एवं उद्यमिता विकास क्लब के संयुक्त तत्वावधान में बी.एससी. फाइनल ईयर के छात्रों के लिए वीटा प्लांट (दूध एवं डेयरी उत्पाद संयंत्र) में एक औद्योगिक यात्रा करवाई गई। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मिल्क और मिल्क मेड फूड प्रोडक्ट्स की रासायनिक गुणवत्ता की जांच से संबंधित प्रक्रियाएँ सीखी और व्यावहारिक ज्ञान अर्जित किया।

- **दिनांक 13 सितम्बर, 2024 को,** रसायन विभाग ने गणित विभाग एवं भौतिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया, जिसका विषय था "**NEP 2020** का भविष्य में योगदान"। इस कार्यक्रम में लगभग **110 विद्यार्थियों** ने भाग लिया। रिसोर्स पर्सन की भूमिका **डॉ. मनोज मलिक** द्वारा निभाई गई, जिन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020** की प्रमुख विशेषताओं, उद्देश्यों एवं भावी शिक्षा प्रणाली पर इसके संभावित प्रभावों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

Botany and Biotechnology Department

वनस्पति विभाग एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 22 अगस्त, 2024 को ''आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस'' विषय पर समूह चर्चा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 37 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में निर्णाण मंडल की भूमिका श्रीमती सीमा, श्रीमती सुमन एवं श्रीमती चंचल ने निभाई। समूह चर्चा के उपरांत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

जीव विज्ञान विभाग, वनस्पति विभाग एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 11 नवम्बर, 2024 को ''ग्रीन कैंपस थीम'' पर फोटोग्राफी कौशल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर की हरियाली को सुंदर ढ़ंग से कैमरे में कैद किया और प्रकृति के सौंदर्य को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया। निर्णायक मंडल की भूमिका मिस निशा, श्रीमती रितु एवं श्री सत्य प्रकाश द्वारा निभाई गई। श्रेष्ठ प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

Psychology Department

राजकीय महाविद्यालय, जीन्द में मनोविज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 1964 में की गई थी। वर्तमान में विभाग में कुल तीन शिक्षण एवं एक गैर-शिक्षण स्टाफ सदस्य कार्यरत हैं तथा विभाग से लगभग 325 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विभाग ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक सहभागिता एवं मनोवैज्ञानिक समझ को बढ़ावा देने हेतु विविध शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया।

- दिनांक 5 सितम्बर, 2024 को, शिक्षक दिवस के उपलक्ष में मनोविज्ञान विभाग द्वारा एक मनोवैज्ञानिक खेल "आइस ब्रेकर गेम" का आयोजन किया गया। इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच संवाद, सामूहिकता तथा मनोवैज्ञानिक सहजता को प्रोत्साहित करना था। इस खेल में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

- **दिनांक 30 सितम्बर, 2024 को,** विभाग ने महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में ''स्वास्थ्य एवं स्वच्छता'' विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया। इस व्याख्यान में कुल **35 स्टॉफ सदस्य** एवं **140 विद्यार्थी** सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति संवेदनशील बनाना था।

- **दिनांक 10 अक्टूबर, 2024 को,** विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष में विभाग द्वारा विभिन्न मनोवैज्ञानिक खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें **Stroop Effect, The Prisoner's Dilemma,** और **Memory Chain Game** शामिल थे। इस आयोजन में **लगभग 10 स्टॉफ सदस्यों** तथा **100 विद्यार्थियों** ने भाग लिया। इन खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों को मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों का अनुभवात्मक ज्ञान एवं व्यवहारिक समझ प्रदान की गई।

Mass Communication Department

सत्र **2024-25** में जनसंचार विभाग ने विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता, अभिव्यक्ति क्षमता और मीडिया की भूमिका को समझने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

- **दिनांक 16 अगस्त, 2024 को,** एंटी रैगिंग विषय पर एक जागरूकता डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन कमरा नंबर **58A** में किया गया। इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों को रैगिंग जैसी कुरीतियों से बचने तथा महाविद्यालय परिसर में ऐसी गतिविधियों के विरुद्ध पूर्ण प्रतिबंध की जानकारी देना था। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके अधिकार, उत्तरदायित्व और सुरक्षा उपायों से अवगत कराया गया।

- **दिनांक 20 अगस्त, 2024 को,** राष्ट्रीय रेडियो दिवस के अवसर पर जनसंचार विभाग में विस्तार व्याख्यान एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. कृष्ण कुमार, फैकल्टी, मास कम्युनिकेशन, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जीन्द ने सहभागिता की। उन्होंने राष्ट्र के विकास मेंरेडियो की भूमिका पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। निबंध प्रतियोगिता में **मनीषा** ने प्रथम, **अक्षय** ने द्वितीय तथा **एकता** ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

- **दिनांक 21 नवम्बर, 2024 को,** जनसंचार विभाग एवं दर्शनशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व दर्शन दिवस के अवसर पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में डॉ. बलराम, इंचार्ज, मास कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट, चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी ने सहभागिता की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि सुकरात दर्शनशास्त्र के जनक हैं, और सत्य तथा ज्ञान की उनकी खोज उस समय भी प्रभावशाली थी और आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। उन्होंने यह भी बताया कि नारद के भक्ति सूत्रों में संचार की विशद व्याख्या की गई है, जो जनसंचार और दर्शन दोनों के बीच गहरे संबंध को दर्शाता है।

(अमर उजाला , दिनांक 21-08-2024

राष्ट्र के विकास में रेडियो की अहम भूमिका : प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय रेडियो दिवस

दैनिक जागरण, दिनांक 21-08-2024

राष्ट्रीय रेडियो दिवस पर कालेज में हुआ कार्यक्रम

Zoology Department

On 5th September 2024, the Department of Zoology organized a "Booster Activity Competition" aimed at enhancing student engagement, creativity, and collaborative participation. The event provided a platform for students to actively express their scientific understanding and interpersonal skills in a vibrant academic setting. A large number of students participated enthusiastically, making the activity a memorable and impactful academic initiative of the department.

Public Administration Department

- दिनांक 17 जनवरी, 2025 को, महानिदेशक, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा के निर्देशानुसार "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" विषय पर एक राज्य स्तरीय प्रस्तावना वाचन कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्रांगण में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संविधान के प्रति सम्मान, गौरव और जागरूकता की भावना विकसित करना था।

- दिनांक 25 नवम्बर, 2024 को, संविधान दिवस के उपलक्ष्य में लोक प्रशासन विभाग द्वारा कार्यशाला, प्रतियोगिता एवं संविधान की शपथ जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान के मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी प्रदान की गई तथा संवैधानिक चेतना को प्रोत्साहित किया गया।

History Department

- दिनांक 1 अक्टूबर, 2024 को, इतिहास विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गांधी जयंती के अवसर पर महाविद्यालय में **"Mahatma Gandhi : Work and Vision"** विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के कार्यों, विचारों और राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान की समग्र जानकारी प्रदान की गई। छात्रों ने गांधीवादी विचारधारा से प्रेरणा लेते हुए कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

- दिनांक 26 नवम्बर, 2024 को, संविधान दिवस के उपलक्ष्य में इतिहास एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा सामाजिक विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों - समाजशास्त्र, लोक प्रशासन, इतिहास एवं अर्थशास्त्र के संयुक्त सहयोग से महाविद्यालय परिसर में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को "संविधान की प्रस्तावना" की शपथ दिलाई गई, जिससे विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों एवं उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न हुई।

Philosophy Department

दिनांक 21 नवम्बर, 2024 को, दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा "भारतीय दर्शन में लोकसंचार" विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय दार्शनिक परंपरा में संचार की अवधारणा, इसकी सामाजिक प्रासंगिकता तथा आध्यात्मिक संवाद के माध्यमों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को दर्शन और जनसंचार के मध्य अंतर्संबंधों की गहराई से समझ प्राप्त हुई।

Entrepreneurship Development Club

- On 07 September, 2024, the Entrepreneurship Development Club organized an industrial visit to Vita Milk Plant, located on Hansi Road, Jind. During the visit, students observed the processing of dairy products and learned about industrial hygiene, product quality control, and operational workflow. The visit provided practical exposure to the functioning of a real-world food production unit.

- On 23 October, 2024, the club organized a one-day workshop on “Nail Art” in collaboration with the Women Cell. The objective of the workshop was to promote creativity, aesthetic skills, and self-employment potential among female students. Participants learned about various nail art techniques and tools, and the session received enthusiastic participation.
- On 07 December, 2024, selected students of the Entrepreneurship Club participated in “Growth Sphere 3.0 - A Startup Idea Competition” held at JIET, Jind. The competition served as a platform for students to showcase their innovative business ideas and gain exposure to entrepreneurial thinking, investor pitching, and startup strategies.

UGC Cell

The UGC Committee of the college organized a three-day course on “Leading Change in Procurement Procedures - Government e-Marketplace (GeM) and e-Tendering (DoPT)” from 18 to 20 February, 2025 in physical mode at Government College, Jind. This programme was sponsored by the Government of India and aimed at familiarizing participants with modern digital procurement systems, transparency in tendering, and government purchase mechanisms. A total of 30 teaching and non-teaching staff members from various Government Colleges of Jind district participated and benefited from this intensive training programme.

दैनिक भास्कर (19/02/2025)

राजकीय कॉलेज में फाइनेंशियल स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग शुरू

जींद| राजकीय कॉलेज में प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में जिला स्तरीय तीन दिवसीय फाइनेंशियल स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग का आरंभ किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर कोर्स डायरेक्टर डॉ. ललित कुमार और रिसोर्स पर्सन सुनील कुमार रहे। कार्यक्रम के संयोजक गौरव बंसल ने बताया कि इस फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम में ई भार्केटिंग की टेंडरिंग आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इस ट्रेनिंग में परचेज, जीएसटी, इनकम टैक्स इत्यादि से संबंधित विषयों की जानकारी दी जाएगी। इस ट्रेनिंग में लगभग सात महाविद्यालय से सभी टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ हिस्सा ले रहे हैं। यह फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम डीटीसी हिपा रोहतक के सहयोग से किया जा रहा है।

अमर उजाला (19/02/2025)

फाइनेंशियल स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग शुरू

जींद। राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में जिला स्तरीय तीन दिवसीय फाइनेंशियल स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग का आरंभ किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर कोर्स डायरेक्टर डॉ. ललित कुमार और रिसोर्स पर्सन सुनील कुमार रहे। कार्यक्रम के संयोजक गौरव बंसल ने बताया कि इस फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम में ई मार्केटिंग की टेंडरिंग आदि विषयों पर चर्चा की जाएगी। इस ट्रेनिंग में परचेज, जीएसटी और इनकम टैक्स इत्यादि से संबंधित विषयों की जानकारी दी जाएगी। ट्रेनिंग में सात महाविद्यालय से टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ हिस्सा ले रहे हैं।

अभिव्यक्ति

S.No.	Name	Topic	Page No.
1.	तमन्ना	एक चाह की कीमत	36
2.	आँचल	एक लड़की की जिन्दगी	36
3.	रामभगत	गजल	36
4.	नवदीप	जिन्दगी	36
5.	प्रीतम सिंह	मजदूर	37
6.	पूजा	सुधारात्मक विचार	37
7.	ज्योति	माँ	37
8.	मोनिका	पिता	38
9.	मीनाक्षी	यादें	38
10.	मनोज	कैसे सहूं उस पीड़ा को	38
11.	रामभगत	नारी अस्मिता को रोंदता समाज	39
12.	गौरव	ओटीटी प्लेटफार्म की बढ़ती लोकप्रियता	40
13.	राहूल	मेरी मूक मर्यादा	40
14.	सत्यजीत	सोशल मीडिया	40
15.	दर्शना	इंटरनेट	41
16.	सुशील	रेडियो साक्षात्कार	41
17.	पूनम	इंटरनेट का महत्व	42
18.	अनिल	जीवन में लक्ष्य का निर्धारण	42
19.	स्नेहा	राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020	43
20.	देवेन्द्र	समाचार पत्र उद्योग	44
21.	राहुल	मतदाता का महत्व	45
22.	विशाल	भारतीय संस्कृति	46
23.	मोहित	विज्ञान की उपयोगिता	47
24.	ऑर्यन	हरियाणवी लोक संचार	48
25.	कुलदीप	नैतिकता का युवा जीवन में प्रभाव	49
26.	डॉ. सन्दीप कुमार	संस्कृत भाषा	50

एक चाह की कीमत

तमन्ना, बी.ए.

एक छोटा सा परिवार था। पर पैसा से थोड़ा लाचार था। घर में मां बाप, एक बहन और भाई था। प्यार बेकुमार था। धीरे-धीरे बच्चे बड़े होते है। मां बाप उनके लिए अपनी नींद खोते गए। बेटा बोला मुझे बाइक चाहिए। बेटी ने कहा सिर्फ इसे ही क्यूँ मुझे भी कुछ नया दिलाओं। मां ने कहा बच्चों थोड़ा सब्र करो। सब मिलेगा पहले जो है। मन मार लिया। बेटे ने भी इस बात को दिमाग में डाल लिया। बेटे के दोस्तों ने उसे खूब सताया। कहा बाइक नहीं है। तेरे पास, तेरे बाप ने क्या ही कमाया। बेटे ने दोस्तों से कहा-कल मेरी अपनी नई बाइक थी, देखते ही बेटे की खुशी से चीख निकल आई थी। पर फिर अचानक एक आवाज आई। एक आदमी बोला ये लो तेरे बाप की लाश है। आई फिर उसकी मां ने उसे सारी सच्चाई बताई। कहा तेरी खुशी के लिए एक छोटी सी मैने इतनी बड़ी कीमत चुकाई। आज पता चला ऐसी जिद्द का अंजाम, मिट गया दुनिया से मेरे पिता का नाम, करो हमेशा माता-पिता का आदर-सत्कार, इनसे ही झिलमिल है। हमारा संसार।

एक लड़की की जिन्दगी

आंचल, बी.ए.

माँ ने रोक-टोक लगाई उसे प्यार का नाम दे दिया। पिता ने बंदिशे लगाई, उसे संस्कारों का नाम दे दिया। सास ने कहा-अपनी इच्छाओं को मार दों, उसे परम्पराओं नाम दे दिया है। ससुराल ने घर को कैदखाना बना दिया, उसे अनुशासन का नाम दे दिया। पति ने थोक दिऐ अपने सपने, अपने इच्छाएँ उसे वफा अनुशासन का नाम दे दिया। ठगी सी खड़ी मैं जिंदगी की राहों में और मैंने उन्हें किस्मत का नाम दे दिया। बचपन की ख्वाहिशें आज भी खत लिखती है, मुझे शायद देखकर इस बात से की वो जिंदगी अब इस पते पर नहीं रहती।।

ग़ज़ल

रामभगत, बी.ए.

ग़म में भी तुम सीखो दिल को बहलाना यारो।
जीवन का मतलब खिलना-मुर्झाना है।
तो बोलो फिर कैसा खुद पर इतराना यारो।
चाहे सच हो लेकिन जिससे दिल को दुख पहुँचे।
ऐसे सच को कभी भी तुम मत बतलाना यारो।
झगड़ा हो, रुसवाई हो या कोई और वज़ह बात हो,
जब अपनों की बात हो तो तुम झुक जाना यारो।
मंजिल भी मिल जाएगी बस बात ये याद रहे,
चलते रहना रास्ते में मत रुक जाना यारों।
लोगों की रंगत से हैरत में है, क्यों आखिर
इस उलझन को भी तुम सुलझाना यारो।

जिंदगी

नवदीप, बी.ए.

मुस्कुराने के लिए है, जिदंगी, गीत गाने के लिए है, जिंदगी।
सिर झुकाकर जो चले उनसे कहो सिर उठाने के लिए है, जिदंगी।
आँशुओं की हर झड़ी को रोक दो खिलखिलाने के लिए है।
जिंदगी जुल्म के हाथों में कितना जोर है।
यह आजमाने के लिए है, जिदंगी।
देखना खुद की तरफ छोड़ दो, जमाने के लिए है, जिंदगी
हारने की बात मन में क्यों उठे जीत जाने के लिए है, जिंदगी।

मज़दूर

प्रीतम सिंह, बी.ए.

हालात हमको इतना मजबूर करते हैं।
हम मज़दूर खुद को आराम से दूर करते हैं।
जिम्मेदारियों का बोझ इतना बढ़ जाता है।
हमको अपना दर्द फिर नज़र न आता है।
फिर मजबूरन सब शौक भुलाने पड़ते है।
खिलौने छोड़ हाथों में पत्थर उठानें पड़ते है।
अपने सपने, अपने हाथों चूर-चूर करते हैं।
हम मज़दूर खुद को आराम से दूर करते है।
किस्मत का थपेड़ा इतनी जोर से लगता है।
आँखे बन्द हो फिर भी दिमाग़ जगता है।
दिल में जख्म इतने किसी को दिखाते नहीं है।
दर्द इतना कि हम मुस्कुराते नहीं है।
मुश्किल को आसानी से मज़बूर करते है।
हम मज़दूर खुद को आराम से दूर करते है।
जो कमाते हैं उससे सिर्फ घर चलता है।
कभी चूल्हा ठण्डा, तो कभी कभी जलता है।
जिम्मेदारियों का बोझ हमें सोने नहीं देता।
'राम' घर का पिन्ज़रा आज़ाद होने नहीं देता।
फिर भी उड़ने की कोशिश जरूर करते है।
हम मज़दूर खुद को आराम से दूर करते है।

सुधारात्मक विचार

पूजा, बी.ए.

वो लूट रहे सपनों को
मैं चैन से कैसे सो जाऊँ।
वो बेच रहे भारत को
खामोश मैं कैसे हो जाऊँ।
वीरो की गौरवगाथा का
गुणगान करता रहेगा।
तिरंगे पर भारत सदा
गुमान करता रहेगा।
जब पानी एक है,
तो प्यास को किसने बाँटा।
जब शिक्षा एक है,
तो ज्ञान को किसने बाँटा।
जब इंसान एक हैं,
तो जातियो में किसने बाँटा।
आदमी कितना नादान है,
मंदिर में शंख घंटी बजाता है।
सोया हुआ है, खुद और भगवान को जगाता है।
भूखे को रोटी दे नहीं सकता
मंदिर में 56 भोग लगाता है।
अँधेरा दिल में है और दीये मंदिर में लाता है।

माँ

ज्योति, बी.ए.

साथियों दुनिया में ऐसी, कोई कलम आज तक नहीं बनी है।
जो मां शब्द की परिभाषा लिख दे कहते हैं कि मां भगवान का दूसरा रुप होती है,
माँ की ममता का कोई मूल्य नहीं है।
वे लोग बहुत ही भाग्यशाली है। जिनको आज माँ है।
घुटनों पर रेंगते - रेंगते कब पैरों पर खड़ी हुई तेरी ममता की छाँव में कब बड़ी हुई।
सच कहूँ माँ...................
वो लोग कभी नहीं हासिल कर सकते कामयाबियाँ......
जो बात-बात कर माँ की ममता में ढूँढ़ते है।
खामियाँ............ जोड़ लेना चाहे लाखों करोड़ों की दौलत,
पर जोड़ ना पाओगे कभी माँ सी अनमोल दौलत।।
काँटों पर चलकर भी दिया अभय का दान, माँ तेरी समता में काफी-सा लगता है।
भगवान हमारी आँखों के आँसू अपनी आँखों में समा लेती है।
माँ......... अपने होती की हँसी हम पर लुटा देती है।
माँ.......... मै अपने छोटे मुख कैसे तेरा गुणगान माँ
करूँ तेरी तेरा गुणगान माँ तेरी समता में फीका-सा लगता है।
भगवान.......... भगवान भी जिसकी ममता के आगे झुक जाते है। वो है। माँ.....................

पिता

मोनिका, बी.ए.

कभी अभिमान तो तभी, स्वाभिमान है,
पिता कभी धरती तो कभी आसमान है।
पिता अगर जन्म दिया है, माँ ने।
जानेगा जिससे जग वो, पहचान है, पिता।।
कभी कंधे पर बिठाकर, मेला दिखाता है पिता।।
कभी बनके घोड़ा, घुमाता है पिता।।
माँ अगर पैरों पे चलना सिखाती है।
तो पैरों पे खड़ा होना, सिखाता है, पिता।।
कभी रोटी तो कभी, पानी है पिता।
कभी बुढ़ापा तो कभी, जवानी है पिता।।
माँ अगर है मासूम सी, लोरी।
तो कभी न भूल पाऊँगी वो कहानी हैं पिता।।
कभी हँसी तो कभी, अनुशासन है पिता।।
कभी मौन तो कभी, भाषण हैं पिता।।
माँ अगर घर में, रसोई है।
तो चलता हैं जिससे घर, वो राशन हैं पिता।।
कभी हँसी और खुशी का, मेला है पिता,
कभी कितना तन्हा और, अकेला है, पिता।।
माँ तो कह देती है, अपने दिल की बात।
सब कुछ समेट के आसमा से फैला है पिता,
कभी खवाब को पूरी करने की जिम्मेदारी है पिता
कभी आँसुओं में छिपी, लाचारी है पिता।।
माँ अगर गहने बेच सकती है।
जरूरत पड़ने पर, अपने आप को जो बेच दे।
वो व्यापारी है, पिता।

यादें

मीनाक्षी, बी.ए.

याद आई तुम्हारी आज हमें,

आँखे कुछ ऐसे भीग गई।।

जैसे सर्दी के मौसम में पत्तों पर है,

ओस जमी हुई।।

सोचता हूँ कभी-कभी

ये रिश्ता कैसा खास हुआ,

जैसे सुदामा और कृष्ण का

रिश्ता बड़ा अटूट बन।।

आना कभी तुम लौटकर

वो दिन दोबारा जीते हैं

तुम हो तो गम भी अच्छे हैं

तुम बिन तो हर धागे कच्चे है।।

जिन्दगी जीने का मजा

तुम्हारे साथ हैं वो बीते हुए पल,

वो रोड़ की मस्ती

आज भी मुझको याद है।।

कैसे सहूं उस पीड़ा को

मनोज, बी.ए.

उजड़ता है भारत का चमन जब सपूत शहीद हो जाता है, कैसे सहूँ उस पीड़ा को जो नापाक पाक दे आता है।
उजड़ जाए बहु बेटी की मांग, माँ-बाप जीते जी मर जाता है।

किसी का बेटा, किसी का पति, किसी का पापा कहलाता है, किसी की गोद, किसी का कंधा, किसी का प्यार छिन्न जाता है।
देख शहीदों के ताबूत रूदन से गला भर जाता है, शहीदों का खामोश चेहरा तसल्ली देता नजर आता है।
देख शहीदों की प्यारी को कलेजा मुहँ को आता है।

कैसे देंगी अंतिम विदाई ये सोच के दिल घबराता है, देख शहीदों की अंतिम यात्रा पत्थर भी पिघल जाता है।
कैसे दूँ तसल्ली प्यारी व प्यारे बच्चों को शब्द नहीं याद आता है।

अपनी धरती माता की खातिर जो जान पर खेल जाता है, अमर रहे का गुजँता नारा सबको रूला जाता है।

" नारी अस्मिता को रोंदता समाज "

रामभगत, बी.ए.

औरतों की स्थिति आज भी समाज में जस की तस है। कहने को औरत को पुरुष के बराबर का दर्जा दिया गया है। लेकिन ये सब कागजी बातें लगती है। अगर हम गहराई में जाकर देखें तो आज भी नारी को भोग की वस्तु ही समझा जाता है। जो शिक्षा के क्षेत्र में नारी को बढ़ावा मिला है, लेकिन इनमें से कुछ एक महिला ही अपने उपर हुए अत्याचार के प्रति ही आवाज बुलंद कर न्याय के लिए बीड़ा उठाती है, तुरन्त ज्यादातर नारी संकोचवश समाज व परिवार में अपमान को सोच कर अपनी आवाज को उठाने से पहले ही दबा देती है। कुछ महिलाए आर्थिक स्थिति से जूझती है और कही रोजगार के लिए जाती है तो उसकी काबिलियत की ओर नहीं बल्कि उसके तन को निहारा जाता है। उनको रोजगार देने के बदले उसके तन का सौदा किया जाता है। अपने बच्चों का पेट पालने के चक्कर में मजबूरी वश धीरे-2 इस दलदल में फँसती चली जाती है। वो इनको अपनी हवस का शिकार बनाते हैं। ऐसे लोगो का कलेजा क्यों नहीं फट जाता जो फूल सी बच्चियों को जीते जी नौंच डालते है।

समाज में नारी की ये दुर्दशा जो एक जननी भी है, और एक पालनहारी भी है, किसी बहन, किसी की बहन, किसी की बेटी, किसी की माँ है, फिर भी लूट ली जाती है, उसकी अस्मत भरे बाजार में। शायद उसका कसूर यही है, कि वो नारी है। एक किस्सा याद आता है, जब एक लड़का किसी होटल में अपनी प्रेमिका से मिलवाने के लिए गया था। फिर यूँ कहिये उसकी अस्मत लूटने के लिए अपने एक दोस्त को भी साथ लाता है। और जब दोस्त की बारी आती है। और कमरे में उस लड़की के पास जाता है, तो उसके पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। और शर्म से गर्दन झुक जाती है। ये देख कि ये तेरी ही सगी बहन है। तो ये कदम उठाने से पहले इंसान क्यों सोचता कि इस जगह तुम्हारी बहन-बेटी कोई भी हो सकती है। माना किसी नारी को रोंदा जाता है। उसको कम नहीं है। फिर भी क्यों रोंदा जा सकता है। हम कोर्टो में रिश्तों को तार-2 होता हुआ देखते है। रिश्ते बनने से पहले टूटने की कगार पर पहुँच जाते है। दुनिया की इस चकाचौंध ने युवा को पथभ्रष्ट कर दिया है। बालाश्रम चलाने वाले, बालिकाओं की रक्षा करने वाले ही उनके भक्षक हो गए है। नारी का अस्तित्व पहले भी खतरे में था और आज भी है। अकेली नारी कहीं पर भी सुरक्षित नहीं है। एक अकेली औरत को जिसके पास रोजगार नहीं है, कमाने का कोई साधन नहीं है। और बच्चों का पेट भरने के खातिर क्या-2 पापड़ नहीं बेलती। आपदा पड़ी रहती है। और कुछ हार कर दमा तोड़ देती है। आज समाज में सब स्वार्थी हो गए है।

समाज क्या परिवार में अपने ही लोग स्वार्थी हो गए है। आज परिवार में अपने ही लोगो की नजर ही जिन्द की तरह हो जाती है। उसको दबोचने की कोशिश करते है। वैसे भी क्या कहें औरत ही औरत की दुश्मन जो है। आज नारी कहीं पर भी महफूज नहीं है। छोटी-छोटी बालिकाएँ जिनको पैदा करने वाला बाप और कलाई पर राखी बंधवा कर रक्षा का वचन देने वाला भाई ही वहशी दरिदां बन अपनी ही बहन-बेटी की इज्जत को तार-2 कर डालता है। उन कलियों जैसी बच्चियों को खिलने से पहले ही रोंद डालता है। सरकार कहती है। ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'', ये सब तो एक माँ कर देगी पर कौन बचाएगा बेटियों को उन दरिंदो से जो घात लगाए बैठे है। मैं कहती हूँ बेटी को संस्कार सिखाओ। आज देश में सबसे ज्यादा जरूरत है। समाज में लोगों की घिनौनी मानसिक में बदलाव लाने की। हर स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय में वूमैन सेल है। जहां बेटियों को संस्कार का पाठ पढ़ाया जाता है। मैं पूछना चाहती हूँ कि क्या बेटियों को ही समझाने की सही राह पर चलने का पाठ पढाने की आवश्यकता है। पुरुषों की क्यों नहीं, जिनके कारण आज देश में बच्चियों का रेप कर हाहाकार की स्थिति बनी हुई है। रेप की घिनौनी वारदातों ने भारत देश, जिस सोने की चिड़िया कहलाने वाले देश में आज नन्ही-2 चिड़ियों जैसी बिटियाएँ डर के कारण घरों में बंद होने को मजबूर है। मजबूरी से बाहर निकलती है। परन्तु मन में भय बना रहता है कि कहीं दरिन्दों के खूनी पंजे उनको दबोच ना लें। उन्हें न तो उम्र का और ना ही रिश्तों का लिहाज है। नारी होने के गुनाह में नित दे रही बलिदान, कहने को क्या खूब है, मेरा देश महान।

ओटीटी प्लेटफॉर्म की बढ़ती लोकप्रियता

गौरव, एम.कॉम

जैसा की हम जानते है कि आज इंटरनेट का दौर है, जहाँ पर हम हर छोटे-बड़े काम अपने मोबाईल से कर सकते है। टेलीविजन से लेकर सिनेमा अब हम फोन से देख सकते वो भी बिना ऐड के। इसके चलते ओटीटी प्लेटफार्म का निर्माण किया गया जिसमे वेब सीरीज से लेकर फिल्म तक देखी जा सकती है। कोरोनावायरस की वजय से तो इसकी लोकप्रियता और बढ़ गई, क्योंकि सब सिनेमा बंद थे तो इन्हीं प्लेटफार्म का चलन था।

ओवर-द-टॉप, जोकि इंटरनेट के माध्यम से विडियो या अन्य डिजिटल मिडिया सम्बन्धी कटैट प्रोवाइड़ करते है। यह एक ऐप होती है जो प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इसकी शुरुआत अमेरिका से हुई थी। परन्तु आज भारत में इसकी लोकप्रियता काफी बढ़ गई है। इसके प्रमुख उदाहरण है। Amazon Prime, Hotstar, Netflix, आदि। इनको इस्तेमाल करने के लिए सदस्यता लेनी पड़ती है। और हाई स्पीड़ इंटरनेट कनेक्शन की जरुरत होती है। इसे मोबाईल, स्मार्ट टी.वी., टेबलेट, लेपटॉप, आदि। पर देखा जा सकता है। परन्तु जब तक इसका सीमीत समय निर्धारित किया जाए तो ठीक है अन्यथा हमारे मूल्यवान समय को बर्बाद कर सकता है।

मेरी मूक मर्यादा

राहूल, बी.ए.

मर्यादा हर वस्तु का प्राथमिक गुण है। वह चाहे सजीव हो या फिर निरजीव। मर्यादा के पाश से कोई भी वस्तु बिना बँधे नहीं रह सकती, चाहे वह वाचाल हो या मूक। यहाँ मर्यादा ऐसी मूक वस्तु में व्याप्त है जो वास्तविकता का प्रतिबिंब है। मैं दर्पण हूँ। मैं निर्जिव हूँ, मूक हूँ किंतु फिर भी सर्वत्र वस्तुओं की भाँति मैं भी अपनी मर्यादा को कभी त्यागता नहीं हूँ। सदा मर्यादा के गुण का अनुसरण करता हूँ। मैं किसी भी प्रकार का पक्षपात नहीं करता हूँ। चाहे कोई अच्छा हो या बूरा हो, झूठा हो या सच्चा हो, सुरुप हो या कुरुप हो, शांत हो या उग्र हो, मैं हर किसी का तटस्थता से सामना करता हूँ।

मर्यादा इन्हीं गुणों पर आधारित सर्वमान गुण है। किंतु फिर भी कुछ उसका अनुसरण सटीक रुप से नहीं कर पाते। मर्यादा और तदस्थता दर्पण का सर्वोपरि गुण है। दर्पण निर्जिव है किंतु फिर भी यहाँ विशेष संदेश हमें मिलता है कि हमें हर स्थिति में तटस्थ रहना चाहिए, अपनी मर्यादाओं को नहीं त्यागना चाहिए। यही सभ्यता और समता का आधार गुण है। इससे मन परिस्थितियों की उलझन से दूर रहता है। सर्वत्र को अपनाना चाहिए।

सोशल मीडिया

सत्यजीत, बी.ए.

सोशल मीडिया आज हमारे जीवन में एक बड़ी भूमिका निभा रहा है। एक बटन दबाते ही हमारे आस-पास की नकारात्मक और सकारात्मक किसी भी प्रकार की जानकारी पहुँच रही है। आज के समय मे सोशल मीडिया का उपयोग छोटे से लेकर बड़े तक सब करते है। सोशल मीडिया के बिना हमारे जीवन की कल्पना करना मुश्किल है। परंतु इसके अत्यधिक प्रयोग करने की वजह से हमें इसकी कीमत भी चुकानी पड़ सकती है।

सोशल मीडिया के उदाहरण है - जैसे Facebook, Whatsapp, Instagram, X आदि। Facebook पर हम अपनी फोटो लोगो के साथ सांझा करते है। Whatsapp पर हम अपने मित्रों के साथ चैट एवं विडियों कॉल कर सकते है। X पर हम अपने विचार सांझा करते है। X का उपयोग सरकारों के मंत्री करते है। इन सभी चीजों का उपयोग हमें सीमित मात्रा में करना चाहिए। इनका उपयोग हमे ज्यादा नहीं करना चाहिए।

इंटरनेट

दर्शना, बी.ए.

इंटरनेट हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। इसके बिना अब जीवन अधूरा सा प्रतीत होता है। इंटरनेट के आने से हमारे जीवन मे आसानी हो गई है। इंटरनेट की शुरुआत भारत मे 15 अगस्त 1995 में संचार के द्वारा मानी गई। कईयों के अनुसार इसकी शुरुआत 1967 में मानी जाती है।

इंटरनेट से आज हम घंटों का कार्य सेकण्ड में कर सकते है। इंटरनेट ने अपनी जगह हर संस्थान में बना ली है। इंटरनेट के आने से हमारा देश भी डिजिटल कार्य करने में सक्षम हो गया है। छोटे-छोटे कार्य भी आज के समय में डिजिटल बन गये हैं। हम सभी इंटरनेट से अपने कार्य सम्पन्न कर रहे है।

इंटरनेट से हम हर प्रकार की जानकारी हासिल कर सकते हैं व जानकारी तीव्र गति से हमें हासिल भी हो जाती है, वह जानकारी जो हमें कभी ज्ञात ही नहीं थी। इंटरनेट से केवल हमारा देश ही प्रगति नहीं कर रहा बल्कि पूरी दुनिया इसकी ओर आकर्षित हो गई है।

लेकिन इसका उपयोग सभी के लिए लाभ दायक होने के साथ-2 नुकसानदायक भी होता है। हर एक सजीव हो या निर्जीव सबमें कुछ खूबियां तो कुछ खामियां अवश्य होती है। इसी प्रकार इंटरनेट में भी यह देखने को मिलता है। इंटरनेट का उपयोग कुछ लोग गलत कार्यो के लिए भी करते है। जो जन-मानस के लिए हानिकारक सिद्ध होता है। यह सूचनाओं को प्राप्त करने व भेजने के लिए एक सशक्त माध्यम है। यह जन-संचार का सबसे महत्वपूर्ण व उपयोगी माध्यम है।

रेडियो साक्षात्कार

सुशील, बी.ए.

रेडियो साक्षात्कार में लेखन की भूमिका :-

रेडियो साक्षात्कार में लेखन का आलेख नहीं होता लेकिन साक्षात्कारकर्ता संभावित प्रश्नों की सूची बना सकते हैं। प्रश्नों को कैसे लिखा गया है। उनमें किन शब्दों का प्रयोग किया गया है। यह भी महत्वपूर्ण होता है। साथ ही प्रश्नों का क्रम भी एक आवश्यक पहलू है।

रेडियो साक्षात्कारकर्ता के गुण :-

किसी रेडियो साक्षात्कार की सफलता में साक्षात्कारकर्ता की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। साक्षात्कर्ता ही अपने प्रश्नों एवं पुछने की कला से आवश्यक जानकारियाँ, सूचनायें प्राप्त करता है, अनुभवी साक्षात्कर्ता में निम्न प्रकार के गुण होने आवश्यक है।

1. संवाद कुशलता : साक्षात्कारकर्ता को रेडियो संवाद में कुशल होना चाहिए।
2. विषय की पूरी जानकारी होनी चाहिए, तभी वह उपयुक्त एवं सटीक प्रश्न पूछ सकता है।

इंटरनेट का महत्व

पूनम, बी.ए.

इंटरनेट आधुनिक और उच्च तकनीकी विज्ञान का एक महत्वपूर्ण अविष्कार है। यह किसी भी व्यक्ति को दुनियां के किसी भी कोने में बैठे हुए महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान करने की अद्भूत सुविधा प्रदान करता है। इसके माध्यम से हम लोग, आसानी से किसी भी एक जगह रखे कम्पयूटर से जुड़कर जानकारी का आदान-प्रदान कर सकते है।
उपयोग : इसकी सुगमता और उपयोगिता की वजय से यह हर जगह इस्तेमाल होता है। जैसे- कार्यस्थल, स्कूल, कॉलेज, शिक्षण संस्थान, प्रशिक्षण केन्द्र, दुकान, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, रेस्टोरेंट, मॉल आदि।

लाभ : इंटरनेट की सहायता से हम किसी भी प्रकार की जानकारी कुछ ही पलों में प्राप्त कर सकते है। इंटरनेट मनोरंजन व शिक्षा के लिए एक बहुत अच्छा माध्यम है। इसके द्वारा हम अनेकों प्रकार का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

हानियाँ : इटंरनेट पर सुविधा की वजह से व्यक्तिगत जानकारी की चोरी बढ़ गयी है। जैसे- क्रेडिट कार्ड, डेबिट कोर्ड, साईबर ठगी इत्यादि। इटंरनेट के प्रयोग से बच्चे अनावश्यक चीजें देखते है। इटंरनेट की वजह से सोशल साइट का चलन बढ़ गया है, जो नुकसानदायक है। इसके अधिक उपयोग से हमारे स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। जैसे- आँखों का कमजोर होना, मानसिक असंतुलन, मोटापा, तनाव आदि। इटंरनेट के प्रयोग से समय व पैसा दोनों खर्च होते है।

जीवन में लक्ष्य का निर्धारण

अनिल, बी.ए.

सभी मनुष्यों के लिए जीवन में लक्ष्य का होना अनिवार्य है। लक्ष्य विहीन मनुष्य पशुओं के समान ही विचरण करता है। परिश्रम उसको ऊँचाई की ओर नहीं ले जाता है, क्योंकि उसका परिश्रम उद्देश्य रहित होता है। दूसरी और जीवन में एक निश्चित लक्ष्य रखने वाला मनुष्य अपनी समस्त ऊर्जा को लक्ष्य के प्रति आसानी से केंद्रित कर देता है। जिससे वह दिन प्रतिदिन प्रगति की और अग्रसर होता है।

मनुष्य को अपने लक्ष्य का निर्धारण बहुत ही सावधानीपूर्वक करना चाहिए। लक्ष्य के निर्धारण में व्यक्ति की अपनी रूचि होना आवश्यक है। आधुनिक जगत की यही बिड़बना है, कि अधिकांश लोग कार्य तो करते हैं, परंतु उस कार्य में उनकी रूचि नहीं होती है। अधिकतर लोग पूर्ण रूप से योग्य नहीं होते हैं, फिर भी संसाधनो आदि के अभाव में विवशतापूर्वक कार्य करते चले जाते हैं।

निःसंदेह अनिच्छा से किए गए कार्य से वे अपनी शक्ति और सामर्थ्य का पूर्ण रूप से सदुपयोग नहीं कर पाते हैं। जिससे जीवन पर्यन्त वे सृजन से वंचित रह जाते है। अतः किसी भी कार्य के लिए, उस कार्य के प्रति मनुष्य की अभिरूचि नितांत आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

स्नेहा, बी.ए.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रस्तावना:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत सरकार द्वारा 29 जुलाई 2020 को घोषित की गई एक क्रांतिकारी पहल है। यह स्वतंत्र भारत की तीसरी शिक्षा नीति है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को समावेशी, समग्र, लचीला और कौशल आधारित बनाना है। इससे पहले की नीतियाँ 1968 और 1986 में लागू हुई थीं।

मुख्य विशेषताएँ:

NEP 2020 में स्कूली शिक्षा के ढांचे को 10+2 से बदलकर 5+3+3+4 कर दिया गया है, जिसमें फाउंडेशनल, प्रिपरेटरी, मिडिल और सेकेंडरी चरण शामिल हैं। नीति का उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (3 से 8 वर्ष) को मजबूती देना है।

इसमें मातृभाषा या स्थानीय भाषा को प्राथमिक स्तर पर शिक्षण का माध्यम बनाने की सिफारिश की गई है। विद्यालयों में कला, संगीत, खेल, व्यावसायिक शिक्षा और तकनीकी विषयों को मुख्यधारा में शामिल किया गया है।

उच्च शिक्षा के लिए मल्टीपल एंट्री और एग्ज़िट की सुविधा दी गई है, जिससे विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार पढ़ाई जारी रख सकते हैं।

एक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) द्वारा विकसित नई पाठ्यपुस्तकें और मूल्यांकन प्रणाली लागू की जाएंगी।

लाभ:

यह नीति विद्यार्थियों में सोचने, विश्लेषण करने और नवाचार करने की क्षमता को बढ़ावा देती है। यह भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

निष्कर्ष:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक दूरदर्शी और समावेशी नीति है जो आने वाली पीढ़ियों को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक और नैतिक शिक्षा प्रदान करने की क्षमता रखती है। इसका प्रभाव भारत की शिक्षा व्यवस्था में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला है।

समाचार पत्र उद्योग

शिव कुमार

समाचार पत्र उद्योग लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। यह समाज में सूचना, विचार, जागरूकता और जनमत निर्माण का एक सशक्त माध्यम है। समाचार पत्र केवल घटनाओं की जानकारी नहीं देता, बल्कि पाठकों को सोचने, समझने और देश-दुनिया के मुद्दों पर दृष्टिकोण बनाने में मदद करता है। बदलते समय के साथ यह उद्योग भी तकनीक, व्यावसायिकता और डिजिटल क्रांति के चलते निरंतर विकसित हो रहा है।

भारत में समाचार पत्रों की शुरुआत 18वीं शताब्दी के अंत में हुई थी। पहला भारतीय समाचार पत्र हिक्की'ज़ बंगाल गजट था, जो 1780 में प्रकाशित हुआ। इसके बाद अनेक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय भाषाओं में समाचार पत्रों की शुरुआत हुई। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान समाचार पत्रों ने जनता को जागरूक करने और ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनमत तैयार करने में अहम भूमिका निभाई।

आज समाचार पत्र उद्योग एक विशाल संगठनात्मक ढांचा बन चुका है जिसमें पत्रकार, संपादक, मुद्रक, तकनीकी विशेषज्ञ, विज्ञापन एजेंसियाँ, वितरणकर्ता आदि शामिल हैं। अखबारों के संपादकीय पृष्ठों से लेकर व्यावसायिक पन्नों तक हर वर्ग के लिए सामग्री उपलब्ध होती है। यह उद्योग लाखों लोगों को रोजगार देता है और अर्थव्यवस्था में भी योगदान करता है।

डिजिटल क्रांति और इंटरनेट के प्रसार से समाचार पत्र उद्योग के सामने कई चुनौतियाँ आई हैं। अब लोग स्मार्टफोन और कंप्यूटर पर ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टलों, ई-पेपर और सोशल मीडिया के ज़रिए समाचार पढ़ना पसंद करते हैं। इससे छपाई और वितरण की लागत में बढ़ोतरी हुई है, जबकि पाठकों की संख्या में कुछ कमी आई है।

इसके अलावा फर्जी खबरों, पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग और विज्ञापन की अधिकता जैसे मुद्दे भी इस उद्योग की विश्वसनीयता को प्रभावित करते हैं। प्रतिस्पर्धा बढ़ने के कारण कभी-कभी गुणवत्ता से समझौता भी देखने को मिलता है।

इन चुनौतियों के बावजूद समाचार पत्रों का महत्व आज भी बना हुआ है। यह प्रामाणिक, गहन और विश्लेषणात्मक खबरों का स्रोत माने जाते हैं। अखबार शिक्षा, राजनीति, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, विज्ञान, खेल और सांस्कृतिक क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने का कार्य करते हैं।

इसके अलावा, ग्रामीण और बुजुर्ग वर्ग के लिए प्रिंट मीडिया अब भी प्रमुख सूचना माध्यम है। कई समाचार पत्र डिजिटल संस्करण भी प्रकाशित कर रहे हैं जिससे वे आधुनिक तकनीक से भी जुड़े रह सकें।

समाचार पत्र उद्योग समाज का दर्पण है जो जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य करता है। यह जनमत निर्माण, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बदलते समय के अनुसार इस उद्योग को अपनी कार्यप्रणाली, तकनीक और प्रस्तुति शैली में सुधार करना आवश्यक है ताकि यह नई पीढ़ी के साथ भी प्रासंगिक बना रह सके।

समाचार पत्र उद्योग की सफलता, इसकी निष्ठा, निष्पक्षता और जनता के विश्वास पर टिकी है।

मतदाता का महत्व

राहुल, बी.ए.

लोकतंत्र की सफलता उसके जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों पर निर्भर करती है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ जनता को यह अधिकार प्राप्त है कि वह अपने प्रतिनिधियों का चुनाव सीधे मतदान के माध्यम से कर सकती है। ऐसे में मतदाता का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वह न केवल सरकार चुनता है, बल्कि देश की दिशा और दशा भी निर्धारित करता है।

मतदाता कौन होता है?

मतदाता वह नागरिक होता है जिसे निर्वाचन आयोग द्वारा मताधिकार प्राप्त होता है, अर्थात वह व्यक्ति जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो और भारत का नागरिक हो। संविधान के अनुसार हर वयस्क नागरिक को बिना भेदभाव के मतदान का अधिकार प्राप्त है। यह अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है।

मतदाता की भूमिका:

1. सरकार चुनने में भागीदारी: मतदाता अपने वोट के माध्यम से ऐसे प्रतिनिधियों का चयन करता है जो पाँच वर्षों तक सरकार चलाते हैं। सही मतदाता ही सही सरकार सुनिश्चित करता है।
2. नीतियों को प्रभावित करना: जनता की समस्याओं, अपेक्षाओं और जरूरतों को समझने वाले नेता तभी सत्ता में आते हैं जब मतदाता उन्हें वोट देकर चुनता है। इस प्रकार नीति निर्माण में भी मतदाता अप्रत्यक्ष भूमिका निभाता है।
3. लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा: जब नागरिक मतदान करते हैं, तो वे लोकतंत्र को जीवंत रखते हैं। यह प्रणाली तभी टिकाऊ होती है जब मतदाता निष्क्रिय न होकर जागरूक और सक्रिय हों।

जागरूक मतदाता का महत्व:

एक जिम्मेदार और समझदार मतदाता ही देश के भविष्य को उज्ज्वल बना सकता है। जाति, धर्म, क्षेत्र, भावनात्मक अपील या प्रलोभनों के आधार पर वोट देना लोकतंत्र के लिए घातक हो सकता है। जागरूक मतदाता अपने प्रतिनिधि की योग्यता, ईमानदारी, नीतियों और जनता के प्रति उत्तरदायित्व को देखकर ही वोट देता है।

आज के समय में देखा गया है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम होता जा रहा है। कई शिक्षित लोग भी मतदान नहीं करते, जिससे गलत लोग सत्ता में आ जाते हैं। मतदान न करना एक तरह से लोकतंत्र के प्रति लापरवाही है, जिससे पूरे देश को नुकसान उठाना पड़ता है।

मतदाता जागरूकता अभियान:

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है ताकि लोगों को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक किया जा सके। स्कूली, कॉलेज स्तर पर प्रतियोगिताएँ, रैलियाँ, पोस्टर और निबंधों के माध्यम से लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जाता है।

मतदाता लोकतंत्र की आत्मा है। उसके एक वोट की शक्ति से व्यवस्था बदल सकती है, भ्रष्टाचार मिटाया जा सकता है और विकास की दिशा तय की जा सकती है। अतः प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह न केवल मतदान करे, बल्कि सोच-समझकर, निष्पक्षता और देशहित में अपना वोट दे। एक जागरूक मतदाता ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है।

भारतीय संस्कृति

विशाल, बी.ए.

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम और समृद्ध संस्कृतियों में से एक है। यह केवल परंपराओं और रीति- रिवाजों का समूह नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक विशिष्ट शैली है, जिसमें आध्यात्मिकता, सहिष्णुता, समरसता और मानवता का अद्‌भुत संगम देखने को मिलता है। विविधताओं से भरे इस देश की संस्कृति ने समय के साथ अनेक उतार-चढ़ाव देखे, परंतु इसकी मूल आत्मा आज भी जीवित है।

भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ:

1. विविधता में एकता: भारत में अनेक धर्म, जातियाँ, भाषाएँ, क्षेत्र और परंपराएँ हैं, लेकिन इसके बावजूद लोग एक-दूसरे के साथ सह-अस्तित्व में रहते हैं। यह ‘वसुधैव कुटुम्बकम्’ यानी सारा विश्व एक परिवार है की भावना पर आधारित है।
2. धार्मिक सहिष्णुता: हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध आदि धर्मों के अनुयायी यहाँ एक साथ रहते हैं और एक-दूसरे के त्योहारों में भाग लेते हैं। यह धर्मनिरपेक्षता भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान है।
3. संस्कार और परिवार व्यवस्था: भारतीय संस्कृति में बड़ों का सम्मान, संयुक्त परिवार, माता-पिता की सेवा, अतिथि देवो भवः जैसे मूल्य अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये सामाजिक संरचना को मजबूत बनाते हैं।
4. आध्यात्मिकता और योग: भारत योग और ध्यान की भूमि है। यहाँ जीवन को केवल भौतिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी देखा जाता है। भगवद् गीता, उपनिषद, वेद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों में जीवन के गूढ़ सत्य बताए गए हैं।
5. कला और साहित्य: भारतीय नृत्य, संगीत, चित्रकला, शिल्पकला और साहित्य अत्यंत समृद्ध हैं। भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, शास्त्रीय संगीत, लोक गीत, कहानियाँ और कविताएँ हमारी संस्कृति को और गहराई देती हैं।

भारतीय संस्कृति का प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं है। योग, आयुर्वेद, ध्यान और भारतीय दर्शन आज विश्व भर में लोकप्रिय हो चुके हैं। अनेक देशों में भारतीय त्योहार जैसे दिवाली और होली भी मनाए जाते हैं।

वैश्वीकरण और पाश्चात्य प्रभाव के कारण आज भारतीय संस्कृति पर भी बदलाव की छाया पड़ी है। पश्चिमी पहनावा, खानपान, बोलचाल और जीवनशैली भारतीय युवाओं को प्रभावित कर रही है। परंतु यह आवश्यक है कि हम आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी मूल संस्कृति और संस्कारों को न भूलें।

भारतीय संस्कृति हमारी पहचान है। यह केवल मंदिरों, त्योहारों या रीति-रिवाजों तक सीमित नहीं, बल्कि वह दृष्टिकोण है जो जीवन को सत्य, अहिंसा, सेवा, प्रेम और करुणा के साथ जीने की प्रेरणा देता है। हमें चाहिए कि हम अपनी इस महान सांस्कृतिक धरोहर को सम्मानपूर्वक समझें, अपनाएँ और आने वाली पीढ़ियों को भी इसका ज्ञान दें ताकि हमारी संस्कृति सदा जीवित और प्रगतिशील बनी रहे।

विज्ञान की उपयोगिता

मोहित, बी.ए.

विज्ञान मानव जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। यह प्रकृति के रहस्यों को समझने और उन्हें मानव कल्याण के लिए उपयोग में लाने की विधा है। आज का युग विज्ञान और तकनीक का युग है, जहाँ जीवन का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है जहाँ विज्ञान ने अपने उपयोग से उसे सरल, सुविधाजनक और प्रगतिशील न बनाया हो।

विज्ञान का मानव जीवन में योगदान:

विज्ञान ने मानव जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है। पहले जहाँ मनुष्य छोटी-छोटी बातों के लिए प्रकृति पर निर्भर था, वहीं अब विज्ञान की सहायता से वह अनेक समस्याओं का समाधान स्वयं खोजने में सक्षम हो गया है।

1. संचार और सूचना: मोबाइल, इंटरनेट, टेलीविजन, रेडियो, उपग्रह – ये सभी विज्ञान की देन हैं। आज सूचना प्राप्त करना और दुनिया से जुड़ना बहुत आसान हो गया है।
2. स्वास्थ्य और चिकित्सा: चिकित्सा विज्ञान ने असाध्य रोगों का इलाज संभव बना दिया है। एक्स-रे, एमआरआई, ऑपरेशन, वैक्सीन, ऑर्गन ट्रांसप्लांट जैसे चमत्कार विज्ञान की ही देन हैं।
3. यातायात: विज्ञान के कारण रेल, हवाई जहाज़, मोटरगाड़ी, मेट्रो और अंतरिक्ष यान जैसे साधन बने हैं, जिनसे दूरी अब कोई बाधा नहीं रही।
4. कृषि और उत्पादन: ट्रैक्टर, सिंचाई प्रणाली, खाद, कीटनाशक, उन्नत बीज और कृषि मशीनों ने कृषि उत्पादन को बढ़ा दिया है, जिससे खाद्य संकट कम हुआ है।
5. घरेलू जीवन में: रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, मिक्सर, कुकर, पंखा, एसी, बिजली – ये सभी सुविधाएँ विज्ञान ने दी हैं, जिनसे जीवन अधिक आरामदायक बना है।

विज्ञान ने समाज में जागरूकता, तर्कशीलता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया है। अंधविश्वास और रूढ़ियों में कमी आई है और लोग अब तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर सोचने लगे हैं।

जहाँ विज्ञान ने हमें अनेक वरदान दिए हैं, वहीं इसके दुरुपयोग से समस्याएँ भी उत्पन्न हुई हैं। जैसे—परमाणु बम, जैविक हथियार, प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, साइबर अपराध आदि। इसलिए विज्ञान का उपयोग विवेकपूर्वक और मानव कल्याण के लिए ही होना चाहिए।

आज शिक्षा का स्तर विज्ञान के बिना अधूरा है। स्कूलों और कॉलेजों में विज्ञान पढ़ाया जाता है ताकि छात्र वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपना सकें और भविष्य के आविष्कारों में योगदान दे सकें।

विज्ञान मानवता के लिए एक वरदान है। यह हमारे जीवन को न केवल आरामदायक बनाता है, बल्कि हमें नई संभावनाओं की ओर ले जाता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम विज्ञान का उपयोग सकारात्मक उद्देश्यों के लिए करें और इसे विनाश का साधन न बनने दें। यदि विज्ञान को नैतिकता और मानव कल्याण से जोड़ा जाए, तो यह संसार को स्वर्ग बना सकता है।

हरियाणवी लोक संचार

ऑर्यन, बी.ए.

हरियाणवी लोक संचार प्रस्तावना:

हरियाणा की धरती केवल वीरों और किसानों की भूमि नहीं, बल्कि समृद्ध लोक परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहरों से भी परिपूर्ण है। यहां का लोक संचार प्रणाली प्राचीन समय से लोगों के बीच संवाद, सूचना और मनोरंजन का सशक्त माध्यम रहा है। यह संचार का वह रूप है जो सीधे आमजन से जुड़ा होता है, और जिसकी भाषा, शैली, भाव और माध्यम पूरी तरह स्थानीय होते हैं।

हरियाणवी लोक संचार के रूप:

हरियाणवी लोक संचार कई रूपों में देखने को मिलता है, जैसे—

1. **लोक गीत (रागनी):** रागनी हरियाणवी लोक संचार का सबसे लोकप्रिय माध्यम है। सामाजिक मुद्दे, ऐतिहासिक प्रसंग, नैतिक शिक्षाएं और हास्य–विनोद रागनी के ज़रिए गाँव-गाँव में फैलाए जाते हैं। पंडित लख्मीचंद जैसे लोक कवियों ने इसे नई ऊँचाई दी।
2. **स्वांग:** यह हरियाणा का पारंपरिक लोक नाटक है जिसमें कलाकार गीत, अभिनय और संवाद के ज़रिए सामाजिक, धार्मिक और ऐतिहासिक कथाओं को मंचित करते हैं। इसमें स्त्री पात्रों को भी पुरुष ही निभाते हैं।
3. **हुक्का चौपाल:** गाँव की चौपालें लोक संचार का सबसे पुराना और प्रभावी मंच रही हैं। बुजुर्ग हुक्का पीते हुए समाज की खबरें, फैसले और सलाह-सुझाव आपस में साझा करते थे। यह जनसंवाद का सजीव रूप था।
4. **मेले और त्योहार:** हरियाणा के मेलों, जैसे सिरसा का रामलीला मेला या कुरुक्षेत्र का गीता जयंती महोत्सव, लोक संचार का माध्यम बनते हैं जहाँ लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से जनता तक संदेश पहुँचाते हैं।
5. **दीवार लेखन व चित्रकला:** पहले के समय में धार्मिक व सामाजिक संदेश दीवारों पर चित्र व लेखन के माध्यम से दिए जाते थे। यह एक दृश्यात्मक लोक संचार तकनीक थी।

लोक संचार की विशेषताएँ:

- यह जनभाषा यानी हरियाणवी बोली में होता है, इसलिए सभी को आसानी से समझ आता है।
- इसमें हास्य, व्यंग्य, तर्क और भावनाएँ मिलती हैं जिससे यह रोचक बन जाता है।
- इसकी पहुँच गाँव के अंतिम व्यक्ति तक होती है।
- यह शिक्षाप्रद, मनोरंजक और प्रेरणादायक होता है।

आज सोशल मीडिया, मोबाइल और टीवी के दौर में पारंपरिक लोक संचार की लोकप्रियता कुछ कम ज़रूर हुई है, लेकिन इसकी प्रासंगिकता अब भी बनी हुई है। आज भी कई सामाजिक संस्थाएं, स्कूल-कॉलेज और पंचायतें रागनी, स्वांग, नुक्कड़ नाटक जैसे माध्यमों से लोगों को जागरूक करती हैं।

हरियाणा सरकार भी लोक माध्यमों के ज़रिए सामाजिक मुद्दों जैसे नशा मुक्ति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता अभियान आदि को बढ़ावा देती है। आकाशवाणी रोहतक और हिसार से हरियाणवी कार्यक्रम प्रसारित होते हैं जो इस परंपरा को ज़िंदा रखे हुए हैं।

हरियाणवी लोक संचार न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि समाज को जोड़ने, जागरूक करने और परंपराओं को जीवित रखने का सशक्त माध्यम भी है। इसे संरक्षित करना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। आधुनिक संचार साधनों के साथ इसके संयोजन से हम इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचा सकते हैं।

नैतिकता का युवा जीवन में प्रभाव

कुलदीप, बी.ए.

किसी भी समाज, राष्ट्र या व्यक्ति के चरित्र निर्माण में नैतिकता (Ethics) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। विशेषतः युवाओं के जीवन में नैतिक मूल्यों का होना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास, बल्कि समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए भी आवश्यक है। नैतिकता वह आधार है, जो व्यक्ति को सही और गलत के बीच अंतर करना सिखाती है। आज के भौतिकवादी और प्रतिस्पर्धात्मक युग में नैतिक मूल्यों का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है।

नैतिकता का अर्थ है—वह सिद्धांत और मूल्य, जो मानव आचरण को उचित दिशा प्रदान करते हैं। इसमें सत्य, ईमानदारी, सहानुभूति, अनुशासन, विनम्रता, आत्म-नियंत्रण, कर्तव्यनिष्ठा और करुणा जैसे गुण शामिल हैं। नैतिकता केवल धार्मिक या सामाजिक अवधारणा नहीं, बल्कि यह व्यक्ति की अंतरात्मा से जुड़ी एक जीवनशैली है।

युवाओं के जीवन में नैतिकता का महत्व: युवावस्था जीवन का सबसे संवेदनशील और निर्णायक दौर होता है। यह वह समय होता है जब व्यक्ति अपने भविष्य की नींव रखता है। अगर इस समय उसे सही मार्गदर्शन और नैतिक शिक्षा मिले, तो वह न केवल एक अच्छा नागरिक बनता है बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बनता है।

1. चरित्र निर्माण में सहायक: नैतिकता युवाओं के व्यक्तित्व को मजबूत बनाती है। एक नैतिक युवा आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और सहनशील होता है। वह गलत रास्तों से बचता है और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहता है।
2. सकारात्मक सोच का विकास: नैतिक मूल्य युवाओं को आत्म-निरीक्षण सिखाते हैं। वे दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना, सहनशील बनना और कठिनाइयों में संयम रखना सीखते हैं।
3. विकृतियों से रक्षा: आज के समय में युवाओं को अनेक प्रकार के दुष्प्रभावों जैसे—नशा, असंयमित जीवनशैली, अश्लीलता, हिंसा आदि से बचाना बहुत आवश्यक है। नैतिकता उन्हें इन बुराइयों से दूर रखने में मदद करती है।
4. सफलता का आधार: अक्सर लोग सोचते हैं कि सफलता केवल प्रतिभा या भाग्य से मिलती है, परंतु नैतिकता से जुड़ा आचरण जैसे समय की पाबंदी, मेहनत, ईमानदारी और अनुशासन—वास्तविक सफलता की कुंजी हैं।

आज जब दुनिया डिजिटल हो रही है, बाजारवाद, भोगवाद और त्वरित सफलता की भावना ने युवाओं को भ्रमित किया है। सोशल मीडिया, अनियंत्रित मनोरंजन, दिखावे की संस्कृति, और नैतिक शिक्षा की कमी के कारण युवा वर्ग नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। चोरी, झूठ, धोखा, परीक्षा में नकल, ऑनलाइन अपराध, साइबर बुलिंग जैसे मामलों में युवा वर्ग की भागीदारी चिंताजनक है।

युवाओं में नैतिकता को विकसित करने के लिए नैतिक शिक्षा का होना अत्यंत आवश्यक है। स्कूल और कॉलेजों में पाठ्यक्रम में नैतिक कहानियाँ, व्यक्तित्व विकास के पाठ, सामाजिक कार्यों में भागीदारी, आध्यात्मिक चिंतन, योग, और ध्यान जैसे कार्यक्रमों से युवाओं के भीतर सकारात्मक सोच और मूल्यों का बीजारोपण किया जा सकता है।

युवाओं के चरित्र निर्माण में परिवार और समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बच्चों को बचपन से ही माता-पिता द्वारा आदर्श व्यवहार, सच बोलने, दूसरों की मदद करने, और गलत का विरोध करने की शिक्षा दी जानी चाहिए। समाज को भी ऐसे वातावरण का निर्माण करना चाहिए जिसमें ईमानदारी और नैतिकता को सम्मान मिले।

युवा राष्ट्र की रीढ़ होते हैं। यदि उनके जीवन में नैतिकता का समावेश हो, तो वे न केवल स्वयं को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को नई दिशा दे सकते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम उन्हें नैतिक शिक्षा, सकारात्मक वातावरण और प्रेरणादायक उदाहरणों के माध्यम से नैतिक मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित करें। नैतिकता से परिपूर्ण युवा ही एक सशक्त, संवेदनशील और समरस समाज का निर्माण कर सकते हैं। यही सच्चे अर्थों में भारत को वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से जोड़ने वाला मार्ग है।

संस्कृत भाषा

डॉ. सन्दीप कुमार

संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति, सभ्यता और ज्ञान की जननी मानी जाती है। यह विश्व की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषाओं में से एक है। संस्कृत न केवल एक भाषा है, बल्कि यह भारत की गौरवशाली परंपराओं, धर्म, दर्शन और साहित्य की अमूल्य निधि को संजोए हुए है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, गीता तथा अनेक शास्त्र इसी भाषा में रचे गए हैं। संस्कृत भाषा को देववाणी (ईश्वर की वाणी) कहा गया है क्योंकि इसे वैदिक ऋषियों ने आत्मज्ञान की साधना से प्रकट किया था।

संस्कृत भाषा का इतिहास हजारों वर्षों पुराना है। वैदिक काल (1500 ईसा पूर्व) से ही यह भाषा विद्यमान है। वेदों की ऋचाएँ, यज्ञ-मंत्र, स्तोत्र आदि सभी संस्कृत में ही हैं। महर्षि पाणिनि द्वारा रचित 'अष्टाध्यायी' संस्कृत व्याकरण का महान ग्रंथ है, जो आज भी भाषाशास्त्र का आधार माना जाता है।

महाकाव्य काल में वाल्मीकि की रामायण और व्यास की महाभारत जैसे अमर ग्रंथ संस्कृत में ही लिखे गए। कालिदास, भास, भवभूति, बाणभट्ट जैसे महान साहित्यकारों ने संस्कृत साहित्य को उच्चतम शिखर पर पहुँचाया।

संस्कृत भाषा की विशेषताएँ:

1. वैज्ञानिक संरचना: संस्कृत व्याकरण अत्यंत तर्कसंगत और सुव्यवस्थित है। इसकी धातु प्रणाली, समास, उपसर्ग, प्रत्यय आदि बहुत ही वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्थित हैं।
2. शुद्धता और स्पष्टता: संस्कृत शब्दों का उच्चारण स्पष्ट और शुद्ध होता है। यह उच्चारण के नियमों का कड़ाई से पालन करती है, जिससे भ्रम की संभावना नहीं रहती।
3. ध्वनि की मधुरता: संस्कृत के छंद और श्लोक बहुत ही मधुर और संगीतात्मक होते हैं, जिससे इसका पाठ सुनने में मन को प्रसन्न करता है।
4. समृद्ध साहित्य: संस्कृत में धर्म, विज्ञान, गणित, आयुर्वेद, नाट्य, संगीत, ज्योतिष, राजनीति, युद्धनीति आदि सभी विषयों पर समृद्ध साहित्य मौजूद है।
5. अंतरराष्ट्रीय महत्व: नासा और विश्व के कई वैज्ञानिक संस्कृत भाषा को कंप्यूटर प्रोग्रामिंग के लिए सबसे उपयुक्त भाषा मानते हैं, क्योंकि इसकी संरचना तार्किक और गणनात्मक है।

भारत के धार्मिक ग्रंथ, पूजा-पाठ, मंत्रोच्चार, स्तोत्र आदि सभी संस्कृत में ही होते हैं। संस्कृत के बिना हिन्दू धर्म की कल्पना अधूरी है। गीता, रामचरितमानस (मूल आधार संस्कृत रामायण), गायत्री मंत्र, शांति मंत्र सभी संस्कृत में ही हैं। यह भाषा न केवल भारतीय संस्कृति की पहचान है, बल्कि यह भारत को आध्यात्मिक रूप से एक सूत्र में बाँधती है।

आज के समय में संस्कृत भाषा का प्रयोग सीमित हो गया है, परंतु इसके महत्व में कोई कमी नहीं आई है। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत पढ़ाई जाती है, परीक्षाओं में वैकल्पिक विषय के रूप में ली जाती है, और अब तो डिजिटल माध्यम पर भी संस्कृत सामग्री उपलब्ध है।

भारत सरकार और कई राज्य सरकारें संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएँ चला रही हैं। उदाहरणस्वरूप—संस्कृत भारती, संस्कृत संवाद, संस्कृत सप्ताह, आदि जैसे प्रयासों से इस भाषा को जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है।

भारत में कुछ गाँव ऐसे हैं जहाँ आज भी संस्कृत बोली जाती है, जैसे कर्नाटक का मत्तूर गाँव और उत्तराखंड का बागपत का झिंझाना। ये गाँव संस्कृत के पुनर्जीवन के उदाहरण हैं। इसके अलावा अनेक संस्कृत विद्यालय और गुरुकुल भी इस कार्य में लगे हुए हैं।

संस्कृत केवल भारत तक सीमित नहीं है। जर्मनी, अमेरिका, जापान, इंग्लैंड जैसे देशों की विश्वविद्यालयों में संस्कृत पढ़ाई जाती है। पश्चिमी विद्वानों ने भी संस्कृत की महत्ता को स्वीकार किया है। जर्मन विद्वान मैक्समूलर ने संस्कृत को 'सब भाषाओं की जननी' कहा था।

दुर्भाग्यवश, भारत में ही संस्कृत भाषा को वह स्थान नहीं मिल सका जिसकी वह अधिकारिणी है। अंग्रेजी और अन्य आधुनिक भाषाओं की लोकप्रियता ने संस्कृत को सीमित कर दिया है। आज के युवा वर्ग में संस्कृत पढ़ने की रुचि कम होती जा रही है, क्योंकि इसे कठिन और बोझिल माना जाता है।

संस्कृत को पुनर्जीवित करने के उपाय:

1. शिक्षा में अनिवार्यता: संस्कृत को प्राथमिक शिक्षा में अनिवार्य भाषा बनाया जाए।
2. संस्कृत में संवाद प्रोत्साहन: विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, और मीडिया में संस्कृत में संवाद को बढ़ावा दिया जाए।
3. डिजिटल माध्यमों में प्रयोग: संस्कृत के ऐप, वेबसाइट, यूट्यूब चैनल और डिजिटल पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएँ।
4. प्रोत्साहन योजनाएँ: संस्कृत के छात्रों और शिक्षकों को छात्रवृत्ति, पुरस्कार और सम्मान दिए जाएँ।
5. अंतरराष्ट्रीय सहयोग: अन्य देशों में संस्कृत प्रचार के लिए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम बढ़ाए जाएँ।

संस्कृत भाषा भारत की आत्मा है। यह केवल एक प्राचीन भाषा नहीं, बल्कि हमारे ज्ञान, सभ्यता और दर्शन की अमूल्य धरोहर है। आज आवश्यकता है कि हम इस भाषा को केवल पुस्तकों में सीमित न रखें, बल्कि इसे व्यवहार में लाएँ। जब तक हम अपनी जड़ों से जुड़े रहेंगे, तभी हमारी संस्कृति जीवित रहेगी। संस्कृत भाषा को अपनाकर ही हम अपनी सांस्कृतिक पहचान और ज्ञान परंपरा को सशक्त बना सकते हैं।

संस्कृतं जननी सर्वेषां भाषाणाम्।

(संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है।)

फोटो व न्यूज कवरेज

पौधारोपण कार्यक्रम

टी.बी. रोगियों को स्टॉफ ने गोद लिया

राजकीय कॉलेज के स्टाफ ने 31 टी.बी. मरीजों को लिया गोद

टी.बी. मरीजों को किट देते हुए महाविद्यालय स्टाफ।

जींद, 30 मई (ललित): राजकीय कॉलेज ने प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में टी.बी. उन्मूलन अभियान में योगदान देते हुए 31 टी.बी. मरीजों को गोद लिया है और उनको पौष्टिक आहार की किट सहायता के रूप में प्रदान की। यह सहायता उनको मानसिक व आर्थिक मदद प्रदान करेगी। प्राचार्य सत्यवान मलिक ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय हमेशा से ही सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से अपना योगदान देता रहा है। रोगियों को अपनी बीमारी से घबराना नही चाहिए बल्कि उचित देखभाल और निगरानी में अपना इलाज पूरा करवाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि इस मदद में आई.क्यू.ए.सी., शारीरिक शिक्षा, इकोनॉमिक्स, संस्कृत, इंग्लिश, कॉमर्स, मास कम्युनिकेशन, लोक प्रशासन, कैमिस्ट्री, कंप्यूटर, सोशियोलॉजी, जूलॉजी, साइकोलॉजी, हिंदी, फिजिक्स, ज्योग्राफी, डा. कृष्ण कुंडू, लैफ्टिनेंट पंकज बत्तरा, तारा व स्टाफ सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर कॉलेज की तरफ से प्रो. ज्योति श्योराण, प्रो. कृष्ण कुंडू, प्रो. सीमा, प्रो. सोनू सिहाग, प्रो. कमलजीत और नागरिक अस्पताल की तरफ से डिप्टी सी.एम.ओ. टी.बी. डा. जे.के. मान, कोमल देशवाल, संदीप गोयत आदि मौजूद रहे।

1250 टी.बी. के मरीजों को संस्थाओं ने गोद लिया : डा. जे.के. मान

क्षय रोग नोडल अधिकारी डा. जेके मान ने बताया कि जिले में अब तक 1250 टी.बी. के मरीजों को संस्थाओं ने गोद लिया है। अन्य संस्थाओं को भी इस नेक काम में आगे आने की जरूरत है। सभी सामाजिक संस्थाओं विभागों, जन प्रतिनिधियों व आम जनता को टी.बी. मुक्त अभियान में सहायता के लिए आगे आना चाहिए। जरूरतमंद मरीजों को गोद लेकर ठीक होने तक पोषण सामग्री दें ताकि टी.बी. मुक्त भारत का सपना पूरा हो सके। जिले को टी.बी. मुक्त करने के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार टी.बी. के मरीजों के स्वास्थ्य का ध्यान रखे हुए हैं। जिले में टी.बी. के मरीजों की संख्या 1991 है। इन सभी का उपचार चला हुआ है। इसमें से कुछ मरीज आर्थिक रूप से कमजोर हैं। इनका ध्यान रखने की जिम्मेदारी संस्थाओं को दी गई है। सरकार टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत दिसंबर माह तक प्रदेश को टी.बी. मुक्त करने के लिए प्रयासरत है।

मोबाइल का सीमित प्रयोग तनाव करेगा कम

दैनिक भास्कर (24/05/25)

हर शनिवार को शिक्षक मोबाइल का इस्तेमाल करेंगे कम

जींद| राजकीय महाविद्यालय में मानसिक तनाव कम करने के लिए नया नियम लागू किया गया है। अब हर महीने के अंतिम शनिवार को शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी मोबाइल फोन का इस्तेमाल केवल बेहद जरूरी स्थिति में ही करेंगे। प्राचार्य सत्यवान मलिक ने इसे अनुशासन और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा, मोबाइल का सीमित उपयोग तनाव घटाएगा। स्वास्थ्य के लिए भी यह फायदेमंद रहेगा। उन्होंने स्टाफ से आधुनिक सुविधाओं का सोच-समझकर उपयोग करने की अपील की। इस फैसले का स्टाफ ने स्वागत किया। सभी ने हर महीने के अंतिम शनिवार को मोबाइल का कम से कम उपयोग करने का भरोसा दिया।

भूतपूर्व छात्र मिलन समारोह

अमर उजाला (२६/०५/२४)

पूर्व छात्रों को एक साथ लाने का अवसर : मलिक

भूतपूर्व छात्र मिलन समारोह में भाग लेते स्टाफ सदस्य और अन्य। स्रोत कॉलेज

जींद। राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में भूतपूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की संयोजिका प्रोफेसर ज्योति श्योराण रहीं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्रों ने गायन और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह में महाविद्यालय के 5 सबसे वरिष्ठ भूतपूर्व छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक ने कहा कि यह भूतपूर्व छात्र मिलन समारोह महाविद्यालय के पूर्व छात्रों को एक साथ लाने, उनके अनुभवों से सीखने और संस्थान के साथ उनके जुड़ाव को और अधिक प्रगाढ़ बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा। संवाद

साइट 2025 राष्ट्रीय संगोष्ठी

SITE-2025 राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले शोधार्थियों को सम्मानित किया गया

जींद/सचिन चौंदपुर/ ब्यूरो चीफ राजकीय महाविद्यालय,जींद में SITE–2025 राष्ट्रीय संगोष्ठी के अंतर्गत श्रेष्ठ शोध पत्रों को सम्मानित करने हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक द्वारा की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के उप–प्राचार्य मुनीश कुमार ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और विजेताओं को हार्दिक बधाई दी।राष्ट्रीय संगोष्ठी SITE–2025 में चयनित श्रेष्ठ तीन शोध पत्रों के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार विजेता इस प्रकार हैं

प्रथम स्थान चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद से डॉ. नवीन कुमार (सहायक प्राध्यापक, शारीरिक शिक्षा विभाग), प्रियंका पूनिया (शोधार्थी, शारीरिक शिक्षा विभाग), सुलेखा (वाणिज्य विभाग), अंजलि (भूगोल विभाग) एवं जिविधा (अंग्रेजी विभाग) की संयुक्त शोध प्रस्तुति।

द्वितीय स्थान डॉ. श्रवण (कंप्यूटर प्रशिक्षक, राजकीय महाविद्यालय जुलाना) एवं चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद से शारीरिक शिक्षा विभाग की शोधार्थी पुष्पा रेखा और शीतल की टीम।

तृतीय स्थान दीपक (सहायक प्राध्यापक, भूगोल विभाग, राजकीय महाविद्यालय , जुलाना) एवं राजकीय महाविद्यालय जींद के वाणिज्य शास्त्र की छात्राएँ मुस्कान, तमन्ना और संजना।

प्राचार्य सत्यवान मलिक ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा, "शोध कार्य समाज की प्रगति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत शोध न केवल ज्ञानवर्धक हैं, बल्कि उनमें सामाजिक सरोकार भी झलकते हैं। यह उपलब्धि शोध के प्रति आपके समर्पण और परिश्रम का प्रतीक है। हम आशा करते हैं कि आप भविष्य में भी इसी तरह शैक्षणिक उत्कृष्टता के नए मानदंड स्थापित करेंगे। कार्यक्रम का सफल आयोजन ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के सक्रिय सदस्यों डॉ. ज्योति लडवाल, डॉ. गौरव बंसल, अमन, अंकित, ऊषा और ऊषा द्वारा किया गया।

सिविल डिफैंस ट्रेनिंग

दीक्षांत समारोह

दैनिक जागरण पानीपत, 8 मई, 2025 जागरण

दीक्षांत समारोह केवल डिग्री लेने का नहीं बल्कि नए अध्याय का अवसर : ओएसडी

राजकीय कालेज जींद के 55वें दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि रहे विरेंद्र बड़खालसा

जागरण संवाददाता, • जींद : राजकीय कालेज जींद का बुधवार को 55वां दीक्षांत समारोह प्राचार्य एवं संरक्षक सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में हुआ। मुख्यातिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ओएसडी विरेंद्र सिंह बड़खालसा रहे, विशिष्ट अतिथि चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. नीरज सिंह रहे।

वीरेंद्र सिंह बड़खालसा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का नहीं, बल्कि जीवन के नए अध्याय की शुरुआत का अवसर है। वर्षों जो ज्ञान अर्जित किया है, अब उसका उपयोग राष्ट्र और समाज की सेवा में करें। डिग्री केवल कागजों तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि आपके आचरण व चरित्र में भी झलकनी चाहिए। जीवन में अनुशासन आवश्यक है और प्रत्येक नागरिक की देश के प्रति जिम्मेदारी है। मैं नहीं करूंगा, तो कौन करेगा, यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी का भाव ही हमारे सच्चे शिक्षित होने का प्रमाण है। उन्होंने स्वरचित कविता के माध्यम से सभी को जल संरक्षण व पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने का संकल्प दिलवाया। विशिष्ट अतिथि डा. नीरज सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि विचार और व्यवहार में समरूपता लाना है। जब व्यक्ति में ईमानदारी, उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता जैसे गुण विकसित होते हैं, तभी वह सही मायने में शिक्षित कहलाता है और समाज में सकारात्मक योगदान दे पाता है।

दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी। • सौ. कालेज

मुख्यातिथि विरेंद्र सिंह बड़खालसा के साथ प्राचार्य सत्यवान मलिक। • सौ. कालेज

370 को डिग्रियां बांटी

डा. विशाल रेढू ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कुल 215 स्नातकोत्तर व 370 स्नातक विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इन्हें विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। एमए हिंदी में मोनिका, पीजीडीसीए में मौसम, एमए अर्थशास्त्र में कपिल व प्रीति, बीएससी बायोटेक में अंशु, रवीना व ईशु, बीएससी मेडिकल में तनिष्का, बीएससी नान मेडिकल में प्रियांशु सिंगला व मोनी और बीकाम में तमन्ना को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

जगत क्रांति (07/05/2025)

वार्षिक पुरस्कार वितरण में सचिन को बेस्ट स्टूडेंट अवॉर्ड

जगत क्रान्ति ▸▸ जींद

राजकीय महाविद्यालय जींद में 58वाँ वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में विद्यार्थियों की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद उपलब्धियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य सत्यवान मलिक द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं अन्य उपलब्धियों का विवरण साझा किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों की मेहनत की सराहना करते हुए सभी को प्रेरित करना है।

समारोह में कुल 467 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया; जिनमें 48 विद्यार्थियों को रोल ऑफ ऑनर, 161 विद्यार्थियों को कॉलेज कलर तथा 258 विद्यार्थियों को मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। बेस्ट स्टूडेंट का अवार्ड बीए तृतीय वर्ष के छात्र सचिन को दिया गया। शैक्षणिक विषयों में कुल 219 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें 11 रोल ऑफ ऑनर और 208 मेरिट प्लेस शामिल हैं। खेल विभाग को कुल 106 पुरस्कार मिले हैं, जिनमें 33 रोल ऑफ ऑनर और 73 कॉलेज कलर शामिल हैं।

सांस्कृतिक विभाग को कुल 58 पुरस्कार मिले हैं, जिनमें 1 रोल ऑफ ऑनर, 56 कॉलेज कलर और 1 मेरिट प्लेस शामिल हैं।

एनसीसी (लड़कों) को कुल 13 पुरस्कार मिले हैं, जिनमें 6 कॉलेज कलर और 7 मेरिट प्लेस शामिल हैं। एनसीसी (लड़कियों) को कुल 11 पुरस्कार मिले हैं, जिनमें 2 कॉलेज कलर और 9 मेरिट प्लेस शामिल हैं। एनएसएस को कुल 7 पुरस्कार मिले हैं, जिनमें 5 कॉलेज कलर और 2 मेरिट प्लेस शामिल हैं।

अमर उजाला (07/05/2025)

समारोह में 467 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

राजकीय पीजी कॉलेज में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। राजकीय महाविद्यालय में 58वां वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में किया गया।

प्राचार्य ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक व अन्य उपलब्धियों का विवरण साझा किया गया। समारोह में 467 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिनमें 48 विद्यार्थियों को रोल ऑफ ऑनर, 161 विद्यार्थियों को कॉलेज कलर और 258 विद्यार्थियों को मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। बेस्ट स्टूडेंट का अवॉर्ड बीए तृतीय वर्ष के छात्र सचिन को दिया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि एसडीएम सत्यवान मान रहे, जो पूर्व में इसी महाविद्यालय में प्राध्यापक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षकों के अनुभवों का लाभ उठाने, समय का विवेकपूर्ण सदुपयोग करने, काल्पनिक दुनिया से बाहर निकलकर यथार्थ से जुड़कर कॉलेज व कोचिंग के बीच संतुलन बनाए रखने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि जींद हरियाणा का वह क्षेत्र है, जहां से सर्वाधिक एचसीएस अधिकारी चयनित होते हैं, जो इस क्षेत्र की अध्ययन संस्कृति का प्रमाण है। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. शमशेर सिंह, उप प्राचार्य मुनीष कुमार, डॉ. शिव कुमार, ज्योति श्योराण, सीमा रानी, सुमन, डॉ. विशाल रेढू, डॉ. सतीश मलिक और डॉ. भगवान दास भी मौजूद रहे।

राजकीय पीजी कॉलेज में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि। संवाद

नशे के विरुद्ध शपथ

अमर उजाला (08/04/2025)

नशा परिवार को भी करता है प्रभावित : डॉ. मलिक

राजकीय महाविद्यालय में जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी। स्रोत : कॉलेज

संवाद न्यूज एजेंसी

राजकीय महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

युद्ध, नशे के विरुद्ध
अमर उजाला अभियान

जींद। राजकीय महाविद्यालय में नशा उन्मूलन के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में आयोजित इस रैली का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस प्रवक्ता अमित खर्ब ने शिरकत की। प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक ने कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है।

ऐसे छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का रास्ता बनाते हैं। मुख्य अतिथि अमित खर्ब ने कहा कि नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। इस मौके पर उप प्राचार्य मुनीष, प्रो. रणधीर खटकड़, प्रो. भगवान दास, पंकज, अमन, विजयपाल और प्रो. अंकित भी मौजूद रहे।

एम.ओ.यू.

अमर उजाला (29/04/2025)

छात्रों का कौशल बढ़ाने पर बनी सहमति

संगठन के साथ राजकीय महाविद्यालय ने एमओयू पर किए हस्ताक्षर

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। राजकीय महाविद्यालय और महात्मा गांधी शिक्षा व समाज विकास संगठन के बीच विद्यार्थियों के शैक्षणिक और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में आयोजित इस अवसर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावसायिक अनुभव प्रदान करना और उनके समग्र विकास को नई दिशा देना रहा। एमओयू पर महात्मा गांधी शिक्षा व समाज विकास संगठन के अध्यक्ष राजकुमार भोला, कानूनी सलाहकार एडवोकेट दर्शन सिंह ढांडा और प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक ने हस्ताक्षर किए।

प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। ऐसे सहयोगात्मक प्रयास विद्यार्थियों को उद्योग जगत से जोड़ने, कौशल विकास करने और उनके व्यक्तित्व को निखारने में सहायक बनते हैं। उन्होंने महात्मा गांधी शिक्षा व समाज विकास संगठन का आभार व्यक्त किया और साझेदारी की सफलता के प्रति आशा जताई। संस्था के अध्यक्ष राजकुमार भोला ने कहा कि हमारा संगठन युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। समझौते के मुख्य बिंदुओं में विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के माध्यम से कार्य अनुभव प्रदान करना, समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन करना और विद्यार्थियों के व्यावसायिक सहित व्यक्तिगत विकास में सहायता करना शामिल है। इस मौके पर डॉ. युद्धवीर रेढू आदि मौजूद रहे।

एमओयू पर किए हस्ताक्षर दिखाते हुए महात्मा गांधी शिक्षा और समाज विकास संगठन व महाविद्यालय स्टाफ सदस्य। स्रोत : कॉलेज

दैनिक भास्कर (14/05/2025)

राजकीय व पीआईजी महिला कॉलेज कौशल विकास पर साथ करेंगे काम

भास्कर न्यूज | जींद

राजकीय महाविद्यालय जींद और प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी राजकीय महाविद्यालय जींद के बीच समझौता हुआ। राजकीय महाविद्यालय से प्राचार्य सत्यवान मलिक और लोक प्रशासन व राजनीतिक शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. युद्धवीर रेढू इन समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया। प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी महाविद्यालय से प्राचार्य जयनारायण गहलोत और डॉ. मोहित रंगा ने भाग लिया।

इस समझौते का उद्देश्य दोनों महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक और कौशल विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई है।

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह

साईक्लोथॉन 2.0

Govt. College Jind
DRUG FREE HARYANA
Cyclothon 2.0
EK CYCLE YATRA NASHA MUKTI KE NAAM
2nd Edition
24th April 2025

Govt. College Jind
DRUG FREE HARYANA
Cyclothon 2.0
EK CYCLE YATRA NASHA MUKTI KE NAAM
2nd Edition
24th April 2025

एड्स जागरूकता अभियान

दैनिक भास्कर (25/04/2025)

एड्स से बचाव के लिए जागरूक रहना जरूरी: प्राचार्य सत्यवान

जींद. कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

जींद| राजकीय महाविद्यालय में एड्स प्रीवेंशन एंड कंट्रोल समिति ने जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया। प्राचार्य सत्यवान मलिक ने कहा कि जानकारी ही बचाव है। इस बीमारी से बचने के लिए ऐसे कार्यक्रम जरूरी हैं। मुख्य वक्ता मनोज कुमार, इति शर्मा और प्रियंका ने छात्रों को एड्स के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। तीनों सिविल अस्पताल जींद से जुड़े हैं। उन्होंने बताया, एड्स गंभीर बीमारी है। इससे बचाव के लिए जागरूक रहना जरूरी है। समिति संयोजक डॉ. भगवान दास ने कहा, खुद भी जागरूक रहें और समाज को भी जागरूक करें। सावधानी ही इसका बचाव है। कार्यक्रम में प्रो. पूनम, प्रो. नरेंद्र कुमार, प्रो. पंकज, प्रो. संदीप और प्रो. सुशीला मौजूद रहे।

विजेता तनु को किया सम्मानित

पीआईईटी क्वेस्ट में तनु ने जीते 54,400 और लेजर प्रिंटर

विजयी विद्यार्थियों ने किया पीआईईटी के आइडिया प्रयोगशाला का शैक्षणिक भ्रमण

जगत क्रान्ति ▶▶ जींद

राजकीय महाविद्यालय, जींद के विद्यार्थियों ने वाणिज्य समाज के तत्वावधान में आयोजित पीआईईटी क्वेस्ट प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता का प्रथम चरण महाविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें सफल विद्यार्थियों ने दूसरे चरण के लिए पैनिपत स्थित पीआईईटी संस्थान में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के आठ विद्यार्थियों का चयन सेमीफाइनल चरण के लिए हुआ। इनमें से छात्रा तनु (पुत्री रामफल) ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल चरण में स्थान प्राप्त किया और प्रथम स्थान प्राप्त कर 54,400 की नकद राशि तथा एक लेज़र प्रिंटर पुरस्कार स्वरूप प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के उपरांत विजेता एवं अन्य प्रतिभागी विद्यार्थियों ने पैनिपत इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (पीआईईटी) के आइडिया प्रयोगशाला का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने इंटरनेट ऑफ थिंग्स प्रयोगशाला, रोबोटिक्स प्रयोगशाला, त्रि-आयामी मुद्रण प्रयोगशाला, लाई-फाई प्रयोगशाला आदि का अवलोकन कर नवीनतम तकनीकी जानकारी प्राप्त की। इस सम्पूर्ण गतिविधि का सफल संचालन वाणिज्य समाज की संयोजक डॉ. ज्योति एवं गतिविधि प्रभारी लेफ्टिनेंट पंकज बत्रा द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर सत्यवान मलिक ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं और इस प्रकार की गतिविधियों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।

नशा मुक्ति जागरूकता रैली

पंजाब केसरी (08/04/2025)

राजकीय कॉलेज में निकाली नशा मुक्ति जागरूकता रैली

जागरूकता रैली निकालते हुए विद्यार्थी।

जींद, 7 अप्रैल (ललित): राजकीय पी.जी. कॉलेज जींद में नशा उन्मूलन के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में आयोजित इस रैली का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा समाज को नशामुक्त बनाने हेतु प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि पुलिस पी.आर.ओ. अमित खर्ब रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में मनीषा बरसाना, ओम प्रकाश चौहान, धर्मराज शामिल हुए। रैली के दौरान प्राचार्य सत्यवान मलिक ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का रास्ता बनाते हैं।

मुख्यातिथि अमित खरब ने कहा कि नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। उप-प्राचार्य मुनीश ने रैली की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम निश्चित रूप से युवाओं को जागरूक करने और नशे के खिलाफ एकजुट होने की दिशा में कारगर साबित होगा।

रैली में महाविद्यालय की एन.एस.एस., एन.सी.सी. तथा रैड क्रॉस इकाइयों की सक्रिय भागीदारी रही। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदार भागीदारी दिखाई। छात्रों ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ नशा मुक्ति के नारों के साथ लोगों को जागरूक किया। नशा मुक्ति समिति के संयोजक प्रो. रणधीर खटकड़ ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार जताया। इस अवसर पर प्रो. भगवान दास, पंकज बत्रा, अमन, विजयपाल और प्रो. अंकित का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने छात्रों को इस अभियान से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विकसित भारत युवा संसद

दैनिक जागरण (22/03/25)

युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया समझाने में युवा संसद अहम

डा. अनुराधा सैनी को सम्मानित करते प्राचार्य डा. सत्यवान मलिक। ● सौ. कालेज

जागरण संवाददाता ● जींद : राजकीय महाविद्यालय जींद में विकसित भारत युवा संसद 2025 का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम दो दिन चलेगा। इसमें जिले के विभिन्न महाविद्यालयों और संस्थानों के 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पहले दिन 75 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई, जबकि शेष 75 प्रतिभागी शनिवार को भाग लेंगे। इस दौरान नगर परिषद की चेयरपर्सन डा. अनुराधा सैनी मुख्यातिथि रही। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया समझाने में महत्वपूर्ण होंगे।

डा. अनुराधा सैनी ने कहा कि युवा संसद युवाओं को नेतृत्व, तर्क-वितर्क के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझने का अवसर देती है। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने विचार सशक्त रूप से प्रस्तुत करने और समाज की उन्नति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य सत्यवान मलिक ने कहा कि यह प्रतियोगिता युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों और नीति-निर्माण की समझ विकसित करने का एक प्रभावी मंच है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने और अपने विचारों को आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में विचार रखती छात्रा ● कालेज

उप प्राचार्य मुनीष ने बताया कि इस प्रतियोगिता से 10 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। विजयी प्रतिभागियों की घोषणा शनिवार को की जाएगी। इस दौरान अनिल गोयल, जेएन गहलावत, डा. पूनम मोर, सुमित्रा, सुभाष, ओमप्रकाश चौहान, विर्जेंद्र, डा. रजनीश बहल, अनिल नागपाल, डा. बलजीत लाठर मौजूद रहे।

विकसित भारत युवा संसद

सड़क सुरक्षा कार्यक्रम

युवा भूगोल क्लब

राजकीय कॉलेज में सड़क सुरक्षा पर हुई पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

जगत क्रान्ति ⏭ जींद

राजकीय कॉलेज जींद में सड़क सुरक्षा विषय पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस वर्ष की थीम वाहन चालू होने पर फोन नहीं रही। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और रचनात्मकता के साथ सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। प्रतियोगिता में बीए अंतिम वर्ष की प्रियंका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बीकॉम प्रथम वर्ष के केशव को दूसरा स्थान मिला और बीए द्वितीय वर्ष की पायल तीसरे स्थान पर रहीं। इस कार्यक्रम का आयोजन सड़क सुरक्षा प्रभारी लेफ्टिनेंट पंकज बत्रा के नेतृत्व में किया गया। आयोजन समिति में मोनिका जगलान, पूनम और गुरदीप ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में मैम निशा, नीरू और ज्योति शामिल थीं, जिन्होंने प्रतिभागियों के पोस्टर्स का मूल्यांकन किया। कॉलेज के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने विजेताओं को बधाई दी और छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रोजगार के लिए तकनीकी दक्षता भी जरूरी : मलिक

जींद। राजकीय महाविद्यालय के युवा भूगोल क्लब के तत्वावधान में व्याख्यान करवाया गया। इसके अंतर्गत स्काई लाइन इंस्टीट्यूट रोहतक से अजय देशवाल और हिमांशी बतरा ने आपदा प्रबंधन में भू सूचना विज्ञान प्रौद्योगिकी का उपयोग पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आज के इस युग में भूगोल में नई तकनीक से आपदा प्रबंधन को प्रभावी तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। प्राचार्य सत्यवान मलिक ने कहा कि आज के समय में रोजगार तभी प्राप्त किया जा सकता है, जब शिक्षा के साथ-साथ नई तकनीक दक्षता भी सीख ली जाए और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी को ध्यान में रखकर बनाई गई है। संवाद

जींद। छात्रों को संबोधित करते हुए वक्ता। फोटो:हरिभूमि

शिक्षा के साथ नई तकनीक दक्षता आवश्यक

जींद। राजकीय महाविद्यालय के युवा भूगोल क्लब के तत्वावधान में विस्तार व्याख्यान करवाया गया। जिसके तहत स्काईलाइन इंस्टीट्यूट रोहतक से अजय देशवाल एवं हिमांशी बत्तरा द्वारा आपदा प्रबंधन में भूसूचना विज्ञान प्रौद्योगिकी का उपयोग पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि आज के इस युग में भूगोल में नई तकनीक के द्वारा आपदा प्रबंधन को प्रभावी तरीके से कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है। आज के इस युग में अलग-अलग क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में रोजगार तभी प्राप्त किया जा सकता है, जब शिक्षा के साथ-साथ नई तकनीक दक्षता भी सीख ली जाए और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी को ध्यान में रख कर बनाई गई है।

कैंपस प्लेसमेंट कैंप

महिला प्रकोष्ठ

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दैनिक जागरण (09/03/2025)

महिला समाज की शक्ति : जींद : राजकीय महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक्सीलरेट एक्शन थीम के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि राजकीय महाविद्यालय अलेवा की प्राचार्या वीणा बहल, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डा. पूनम मलिक, कमल, हिमानी गुप्ता, सुनीता पांचाल, योगिता एडवोकेट उपस्थित रही। • सौ. कालेज

दैनिक भास्कर (06/03/2025)

घरेलू हिंसा कई परिवारों को तोड़ता है

जींद | राजकीय महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ विभाग के तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष गतिविधियों का बुधवार को तीसरा दिन था। प्राचार्य सत्यवान मलिक व उपप्राचार्य मनीष कुमार ने महिलाओं के अधिकारों व समानता के अधिकारों पर चर्चा की गई। इस सामूहिक चर्चा में महिलाओं के अधिकार कानूनी अधिकारों जैसे की महिला सशक्तीकरण, दहेज निषेध अधिनियम आदि विषयों पर चर्चा की गई। घरेलू हिंसा एक गंभीर अपराध है, जो कई परिवारों को तोड़ देता है। यह शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पीड़ा का कारण बनता है। यह कानून दहेज लेने-देने और इससे जुड़ी हिंसा को अपराध मानता है। महिला सशक्तीकरण का अर्थ है महिलाओं को समान अधिकार और अवसर देना। इस प्रोग्राम की प्रभारी रचना व रीना रानी रहीं।

पंजाब केसरी (04/03/2025)

7 दिवसीय योग ट्रेनिंग कैंप शुरू

योग क्रियाएं करते हुए छात्राएं।

जींद, 3 मार्च (ललित) : राजकीय पी.जी. कॉलेज के उप-प्राचार्य मनीष कुमार की अध्यक्षता और महिला प्रकोष्ठ विभाग के तत्वावधान में 7 दिवसीय विशेष गतिविधियों का आगाज योग ट्रेनिंग कैंप से हुआ।

कॉलेज के उपप्राचार्य मनीष कुमार ने इस अवसर पर महिला फिटनैस के महत्व पर चर्चा की। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. प्रेम पूनम ने बताया कि 3 से 9 मार्च तक महिला प्रकोष्ठ विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियां करवाई जाएंगी। इसका उद्देश्य महिला फिटनैस बताया गया। आज पहले दिन योग ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। इसमें कॉलेज की स्नातक व स्नातकोत्तर की उन्नीस छात्राओं ने भाग लिया। रिसोर्स पर्सन पुष्पा ढांडा ने छात्राओं के लिए योग का महत्व और अनिवार्यता पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। योगा ट्रेनर बबली ने लड़कियों को योग सिखाने का कार्य किया। इस आयोजन की सफलता में रचना व सरोज बाला का भी विशेष योगदान रहा।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

GOVT. COLLEGE, JIND
Youth Festival

युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग
रत्नावली
हरियाणा दिवस राज्य स्तरीय महोत्सव
25 से 28 अक्तूबर 2024

एन.एस.एस. विशेष शिविर

पंजाब केसरी (03/02/2025)

7 दिवसीय शिविर में सचिन और चारु रहे बैस्ट वालंटियर

राजकीय पी.जी. कॉलेज का 7 दिवसीय एन.एस.एस. शिविर सम्पन्न

बैस्ट वालंटियर को सम्मानित करते हुए।

जींद, 1 मार्च (ललित) : राजकीय पी.जी. कॉलेज की एन.एस.एस. यूनिट द्वारा आयोजित 7 दिवसीय विशेष शिविर का शनिवार को अंतिम दिन रहा। प्रतिदिन की भांति सुबह की शुरूआत योग अभ्यास से की गई। योग प्रशिक्षक विजेंद्र आर्य ने विद्यार्थियों को योगासन कराया।

7 दिवसीय विशेष शिविर महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि खादी ग्रामोद्योग के प्रबंधक प्रवीण सैनी ने शिरकत की। कार्यक्रम में शामिल होने वाले गण्यमान्य व्यक्तियों में प्राचार्य सत्यवान मलिक, उपप्राचार्य डा. शमशेर सिंह और योग प्रशिक्षक सूर्य देव आर्य शामिल रहे।

प्रवीण सैनी ने विद्यार्थियों से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने हेतु स्वरोजगार और उद्यमिता का महत्व समझने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों को खादी यूनिट का दौरा करवाने की पेशकश रखी। जिसे महाविद्यालय प्राचार्य सत्यवान मलिक ने सहर्ष स्वीकार किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को बताया कि राजकीय महाविद्यालय जींद हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है और एन.एस.एस. के विद्यार्थियों से अपेक्षाएं और भी बढ़ जाती हैं।

डा. शमशेर ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत स्वयं सजे वसुंधरा सवार दे से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने और समाज में अपनी भूमिका अदा करने की अपील की। कार्यक्रम में 7 दिन से भाग ले रहे स्वयंसेवकों में से सचिन और चारु को बैस्ट वालंटियर चुना गया।

एन.एस.एस. विशेष शिविर

खेल-कूद गतिविधियाँ

खेल-कूद गतिविधियाँ

हरिभूमि (23/02/2025)

बेस्ट एथलीट बने साहिल और आशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में 61वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता शनिवार को संपन्न हुई और विजेता खिलाडियों को सम्मानित किया गया। प्राचार्य ने खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतियोगिताएं व्यक्ति की क्षमता को चुनौती देती हैं। कुछ लोग इनसे आगे बढ़ते हैं तो कुछ हार जाते हैं लेकिन खेल प्रतियोगिताएं ऐसी होती हैं जहां प्रतिभागी जीत-हार से परे शारीरिक और मानसिक रूप से लाभांवित होते हैं। इसलिए इन्हें स्वास्थ्य प्रतियोगिता कहना भी अनुचित नहीं होगा। समारोह के मुख्य अतिथि एसडीएम सत्यवान सिंह मान ने विजेताओं को सम्मानित किया और कहा कि हरियाणा की संस्कृति प्राचीन काल से ही दूध, दही का खाना से जुड़ी हुई है।

जिसका अर्थ है कि यहां के युवक व युवतियां सहज रूप से उच्च प्रोटीन युक्त आहार लेते आए हैं। इसी कारण हरियाणा के युवक व युवतियां स्वाभाविक रूप से स्वस्थ, सशक्त और गठीले होते हैं। यही वजह है कि हरियाणा के ग्रामीण नौजवान खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और ओलंपिक स्तर पर भी अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है।

जींद। प्रतियोगिता मे विजेता रहे खिलाडियों को सम्मानित करते हुए।

पंजाब केसरी (23/02/2025)

राजकीय महाविद्यालय में 2 दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

प्रतियोगिता में विजेता रहे खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए।

■ प्रतियोगिता में बैस्ट एथलीट बने साहिल तथा आशा एस.डी.एम. ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया

जींद, 22 फरवरी (ललित) : राजकीय पी.जी. कॉलेज में प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में 61वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता शनिवार को सम्पन्न हुई और विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

प्राचार्य ने कहा कि प्रतियोगिताएं व्यक्ति की क्षमता को चुनौती देती हैं। कुछ लोग इनसे आगे बढ़ते हैं तो कुछ हार जाते हैं लेकिन खेल प्रतियोगिताएं ऐसी होती हैं जहां प्रतिभागी जीत-हार से परे शारीरिक और मानसिक रूप से लाभान्वित होते हैं, इसलिए इन्हें स्वास्थ्य प्रतियोगिता कहना भी अनुचित नहीं होगा।

ये रहे प्रतियोगिता के परिणाम

- ▶▶ बैस्ट एथलीट (पुरुष) साहिल बी.सी.ए. तृतीय वर्ष।
- ▶▶ बैस्ट एथलीट (महिला) आशा बी.ए. प्रथम वर्ष।
- ▶▶ 1500 मीटर दौड़ (पुरुष) अंशुल प्रथम, जतिन द्वितीय, अजय तृतीय।
- ▶▶ 1500 मीटर दौड़ (महिला) खुशी प्रथम, कोमल द्वितीय, आरती तृतीय।
- ▶▶ लॉन्ग जंप (महिला) आशा प्रथम, निशु द्वितीय, गरिमा तृतीय।
- ▶▶ जेवलिन थ्रो (पुरुष) हिमांशु प्रथम, अजय द्वितीय, दीपक तृतीय।
- ▶▶ 100 मीटर दौड़ (टीचिंग स्टाफ) पुरुष वर्ग में कमलजीत प्रथम, गुरदीप द्वितीय, सुनील तृतीय।
- ▶▶ 100 मीटर दौड़ (नॉन टीचिंग स्टाफ) पुरुष वर्ग में अशोक प्रथम, पवन द्वितीय, हरिओम तृतीय रहे।
- ▶▶ 100 मीटर दौड़ (पुरुष) विजय प्रथम, अमन द्वितीय, सुनील तृतीय।
- ▶▶ 100 मीटर दौड़ (महिला) आशा प्रथम, सोनिया द्वितीय, निशु व खुशी तृतीय।
- ▶▶ फैंसी ड्रैस : साहिल प्रथम, संपत द्वितीय, मंजीत तृतीय स्थान पर रहे।

समारोह के मुख्यातिथि एस.डी.एम. सत्यवान सिंह मान ने विजेताओं को सम्मानित किया और कहा कि हरियाणा की संस्कृति प्राचीन काल से ही दूध, दही का खाना से जुड़ी हुई है। जिसका अर्थ है कि यहां के युवक व युवतियां सहज रूप से उच्च प्रोटीन युक्त आहार लेते आए हैं। इसी कारण हरियाणा के युवक व युवतियां स्वभाविक रूप से स्वस्थ, सशक्त और गठीले होते हैं।

यही वजह है कि हरियाणा के ग्रामीण नौजवान खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और ओलिम्पिक स्तर पर भी अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। खेल प्रतियोगिताएं नैसर्गिक प्रतिभाओं को पहचानने और निखारने का सशक्त माध्यम हैं।

सही मार्गदर्शन और आधुनिक प्रशिक्षण से इन्हें उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार किया जा सकता है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जोगेंद्र बोगड़, कुलदीप अहलावत, सोनू एवं खेल प्रतियोगिता में गत वर्षों के बैस्ट एथलीटों दलबीर सिंह, जोगिंदर सिंह, सीमा, विजय आदि मौजूद रहे।

समापन समारोह दौरान फैंसी ड्रैस प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। राष्ट्रगान के उपरांत महाविद्यालय ध्वज को सम्मानपूर्वक उतारा गया और मुख्यातिथि द्वारा प्रतियोगिता के औपचारिक समापन की घोषणा की गई।

खेल-कूद गतिविधियाँ

यूथ रैड क्रॉस गतिविधियाँ

स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

जगत क्रान्ति ⏭ जींद

राजकीय महाविद्यालय जींद में प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में महाविद्यालय की यूथ एंड रेड क्रॉस कमेटी एवं युवा विकास समिति जींद के सामूहिक प्रयासों से स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिवर का सफल आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी इस आयोजन के माध्यम से युवाओं में सामाजिक सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना और रक्तदान के महत्व को व्यापक स्तर पर समझाना हैं।

मुख्य अतिथि युवा भाजपा नेता वृंदा शर्मा ने कहा कि रक्तदान समाज के लिए जीवनदान है, जो युवाओं में निष्काम सेवा भाव की भावना को जागृत करता है। अति विशिष्ठ अतिथि विनोद जोशी ने कहा कि यह शिविर दर्शाता है कि सामूहिक प्रयासों से हम अनेक जीवन बचा सकते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में रमेशमूर्ति, नरेश, केवल सिंह ने शिरकत की। कार्यक्रम संयोजक प्रो भगवान दास ने बताया कि आज के शिविर में कुल 40 रक्त की यूनिट प्राप्त हुई और सभी रक्त दानियों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यार्थियों, कर्मचारियों और अतिथियों ने इस नेक काम में भरपूर सहभागिता दिखाई।

एन.सी.सी. गतिविधियाँ

15 Haryana Battalion NCC
Jind

GOVT. COLLEGE, JIND
15 HAR BN NCC, JIND
GPS Map Camera

एन.सी.सी. गतिविधियाँ

एन.सी.सी. का मुख्य उद्देश्य युवाओं में चरित्र निर्माण करना : कर्नल जे.एस. ढोडी

एन.सी.सी. कैडेट्स ने ईक्कस वृद्ध आश्रम में की सेवा

जींद, 20 फरवरी (ललित) : 15वीं हरियाणा बटालियन एन.सी.सी.द्वारा गांव ईक्कस स्थित वृद्ध आश्रम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता 15 हरियाणा बटालियन एन.सी.सी. जींद के कमांडिंग आफिसर कर्नल जे.एस. ढोडी ने की।

कार्यक्रम में हिंदू कन्या महाविद्यालय जींद. सहित जींद जिले के सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों के एन.सी.सी. कैडेट्स ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य एन.सी.सी. कैडेट्स के अंदर समाजसेवा की भावना को पैदा करना था। एन.सी.सी. कैडेट्स गांव ईक्कस में स्थित वृद्ध आश्रम में गए और वहां जाकर उन्होंने अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने बुजुर्गों से उनके हालचाल के बारे में बातचीत की। इसके बाद कैडेट्स ने वहां पर रहने वाले बुजुर्गों और असहाय लोगों को कंबल तथा कुर्सियां भी दीं।

कार्यक्रम में भाग लेते हुए एन.सी.सी. कैडेट्स।

कर्नल जे.एस. ढोडी ने कहा कि एन.सी.सी. का मुख्य उद्देश्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण तथा नेतृत्व व साहस की भावना को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर उन्होंने कैडेट्स को बताया कि दान करना एक नि:स्वार्थ कार्य है और इसको करने से हमारा मनोबल व आत्मविश्वास बढ़ता है तथा इससे हमें व्यक्तिगत संतुष्टि मिलती है और हम समाज में समानता का भाव बनाए रखने में अपना योगदान देते हैं। कार्यक्रम में हिंदू कन्या महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वीटा मिल्क प्लांट में एनडीआरएफ की मॉक ड्रिल, एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस वॉलंटियर्स ने लिया भाग

सवेरा न्यूज/नरेंद्र जींद : जिला प्रशासन के निर्देशानुसार वीटा मिल्क प्लांट, जींद में मंगलवार को एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल) द्वारा अमोनिया गैस रिसाव की स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में राजकीय कॉलेज जींद के एनसीसी कैडेट्स, 15 हरियाणा बटालियन की टीम और एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) के वॉलंटियर्स ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान एनडीआरएफ के जवानों त्रिलोक सिंह और ओपी बिश्नोई ने छात्रों को आपदा प्रबंधन और बचाव कार्यों की बारीकियों से अवगत कराया। एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस वॉलंटियर्स ने रेस्क्यू ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और गैस रिसाव की स्थिति में आवश्यक कदम उठाने का अभ्यास किया। कमांड पोस्ट की जिम्मेदारी एसडीएम सत्यवान मान ने संभाली, जबकि राजकीय कॉलेज जींद के प्राचार्य सत्यवान मलिक, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट पंकज बत्रा, एनसीसी केयरटेकर पुष्पा और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अमन ने कार्यक्रम का मार्गदर्शन किया। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में राहत और बचाव कार्यों की तत्परता को परखना और जागरूकता बढ़ाना था। एनडीआरएफ जवानों ने बताया कि ऐसे अभ्यास नागरिकों को सुरक्षित रहने के तरीके सिखाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

मॉक ड्रिल में भाग लेते एनसीसी कैडेट्स।

ईको क्लब

राजकीय महाविद्यालय में ग्रीन ऑडिट का आयोजन

जगत क्रान्ति ⏭ जीन्द

राजकीय महाविद्यालय जींद में प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्रीन ऑडिट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ देवेंद्र लाठर (रिटायर्ड प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय नारनौंद), डॉ. संजय अरोड़ा (वनस्पति विभाग प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी राजकीय महाविद्यालय जींद) डॉ विजेंद्र कुमार (भूगोल विभाग अध्यक्ष राजकीय महाविद्यालय जुलाना) से निरीक्षक के रूप में आमंत्रित किए गए। ग्रीन ऑडिट के दौरान महाविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं जैसे जल संरक्षण, ऊर्जा की बचत, कचरे के प्रभावी प्रबंधन और हरियाली को बढ़ावा देने का मूल्यांकन किया गया। निरीक्षकों ने संस्थान के पर्यावरण हितैषी प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों को और अधिक सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण और छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

विज्ञान प्रदर्शनी

स्वच्छता अभियान

GPS Map Camera
Jind, Haryana, India
887J+6M2, Housing Board Colony, Urban Estate, Jind, Haryana 126102, India
Lat 29.313454°
Long 76.331271°
13/02/25 10:11 AM GMT +05:30
Google

Shaheed Major Vinay Chaudhary Marg, Shiv Colony, Jind, 126102, Haryana, India
Lat 29.312838, Long 76.330534
02/13/2025 09:58 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

GPS Map Camera
Jind, Haryana, India
22a, Defence Colony, Housing Board Colony, Urban Estate, Jind, Haryana 126102, India
Lat 29.313333° Long 76.332936°

Govt. College Jind

(Haryana)

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

Phone : 01681-249580
Website : govtcollegejind.co.in | E-Mail : gc_jind@yahoo.co.in